(स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र)

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

रूमेटाइड अर्थराइटिस...8

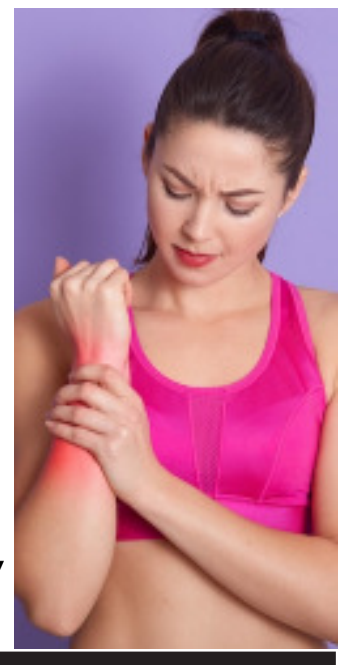

बुधवार, 13 अप्रैल 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 09 अंकः 114 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादकः राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

दशकों पहले काशी से चोरी हुई थी मां अन्नपूर्णा माता की मूर्ति

पीएम मोदी बोले– हम कनाडा से वापस लेकर आए हैं

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गुजरात के अडालज में श्री अन्नपूर्णा धाम ट्रस्ट के छात्रावास और शिक्षा परिसर का उद्घाटन किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि मां के आशीर्वाद से हर बार मुझे किसी न किसी तरह से आपके बीच रहने का मौका मिला है। आज श्री अन्नापूर्णा धाम ट्रस्ट के उद्घाटन के साथ–साथ जन सहायक ट्रस्ट हिरामणी धाम का भूमि पूजन भी हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि समृद्धि और धनधान्य की देवी मां अन्नपूर्णा के प्रति हमारी अगाध आस्था रही है। पाटीदार समाज तो धरती माता से सीधे जुड़ा रहा है। मां के प्रति इस अगाध श्रद्धा के चलते ही कुछ महीने पहले मां अन्नपूर्णा की मूर्ति को हम कनाडा से काशी वापस ले आए हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा, पोषण और आरोग्य के क्षेत्र में गुजरात का स्वभाव रहा है कि जिसकी जितनी ताकत हर समाज कुछ न कुछ सामाजिक दायित्व निभाता है। उसमें पाटीदार समाज भी कभी पीछे नहीं रहता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मां अन्नपूर्णा माता की इस मूर्ति को दशकों पहले काशी से चुराकर विदेशों में पहुंचा दिया गया था। अपनी संस्कृति के ऐसे दर्जनों प्रतीकों को बीते सात–आठ साल में विदेशों से वापस लाया जा चुका है। इसी बीच हमारी परंपरा में भोजन, आरोग्य, शिक्षा पर हमेशा से बल दिया गया है। इन्ही तत्वों का मां अन्नपूर्णा धाम में विस्तार किया गया है। इस आरोग्य धाम से गुजरात के सामान्य मानविकों को लाभ होगा। एक साथ कई लोगों के डायलिसिस और 24 घंटे ब्लड सप्लाई की सुविधा से अनेक मरीजों की सेवा होगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने जिला अस्पतालों में मुफ्त डायलिसिस की जो सुविधा शुरू की है, उस अभियान को आपके ये प्रयास और बल देने वाले हैं। इन सभी प्रयासों और सेवाभाव के लिए आप सभी प्रशंसा के पात्र हैं।

राहुल गांधी का भाजपा पर निशाना, बोले– महंगाई और बेरोजगारी पर चलना चाहिए बुलडोजर

नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के बाद से बुलडोजर खूब सुर्खियों में है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान ही योगी आदित्यनाथ को बुलडोजर बाबा बताया गया। धीरे–धीरे योगी आदित्यनाथ की पहचान बुलडोजर बाबा के तौर पर हो गई है। बुलडोजर अवैध निर्माणों के खिलाफ लगातार उत्तर प्रदेश में चल रहा है। इसी के साथ–साथ मध्यप्रदेश में भी दंगाइयों और अपराधियों के खिलाफ बुलडोजर चलाया जा रहा है। हालांकि बुलडोजर को लेकर अब राजनीति भी शुरू हो गई है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुलडोजर को लेकर बड़ी बात कही है। राहुल गांधी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता में बैठे लोगों को महंगाई और बेरोजगारी जैसे समस्याओं पर बुलडोजर चलाना चाहिए। लेकिन भाजपा के बुलडोजर पर तो नफरत और दहशत सवार है। दरअसल, रामनवमी को मध्य–प्रदेश के खरगोन में हुई हिंसा की पृष्ठभूमि में घरों और दुकानों पर बुलडोजर चलाए जा रहे हैं। इसी को लेकर राहुल गांधी ने अपना ट्वीट किया है। अपने ट्वीट में राहुल गांधी ने लिखा कि महंगाई और बेरोजगारी ने देश की जनता का दम निकाल दिया है। सरकार को लोगों की इन समस्याओं पर बुलडोजर चलाना चाहिए। मगर भाजपा के बुलडोजर पर तो नफरत और दहशत सवार है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने ट्वीट कर कहा कि भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है जिसका मतलब पवित्रता का प्रतीक होता है। राम नवमी पर असहिष्णुता, हिंसा और घृणा के कृत्य किए जा रहे हैं। उन्होंने सत्ता में शीर्ष पर विराजमान लोगों पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा, ''देश के शीर्ष नेता नफरत के प्रसार को देखने और सुनने से इनकार करते हैं। वे मौन हैं। इससे पहले राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि नफरत, हिंसा और अलगाव भारत को कमजोर कर रहे हैं तथा ऐसे में न्यायप्रिय और समावेशी भारत के लिए खड़े होने की जरूरत है। उन्होंने रामनवमी पर देश के कुछ स्थानों तथा यहां जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में हुई हिंसक झड़पों की पृष्ठभूमि में यह टिप्पणी की। कांग्रेस नेता ने ट्वीट किया, ''नफरत, हिंसा और अलगाव हमारे प्रिय देश को कमजोर कर रहे हैं। भाईचारे, शांति और सद्भाव के माध्यम से प्रगति का मार्ग प्रशस्त होता है। आइए, न्यायप्रिय और समावेशी भारत को सुरक्षित करने के लिए साथ खड़े होते हैं।''

पंजाब में जल्द हो सकता है 300 यूनिट मुफ्त बिजली का ऐलान, केजरीवाल के साथ चर्चा करेंगे भगवंत मान

नयी दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान मंगलवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात करेंगे। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच में पंजाबवासियों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली मुहैया कराने के संबंध पर चर्चा होगी। आम आदमी पार्टी के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री भगवंत मान दिल्ली के मुख्यमंत्री से मुफ्त बिजली योजना पर चर्चा करेंगे। आम आदमी पार्टी के सूत्रों के मुताबिक, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान मंगलवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू से मुलाकात करेंगे। इसके बाद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मिलेंगे। इस दौरान मुफ्त बिजली योजना पर चर्चा होगी। जाबियों मुझे कुछ समय दोः चुनाव पूर्व किए गए वादों को लेकर मुख्यमंत्री भगवंत मान पर विपक्षियों का भारी दबाव है। ऐसे में उन्होंने प्रदेशवासियों से मसल को सुलझाने के लिए थोड़े से समय की मांग की है। भगवंत मान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर लिखा कि पंजाबियो, थोड़ा समय दो। थोड़ा धैर्य रखें। ऐसी एक भी चीज नहीं है, जो मुझे याद नहीं। भगवंत मान ने प्रदेश की जनता से अपील करते हुए कहा कि पंजाब को शीवंत पंजाब बनाने में जल्दबाजी नहीं होनी चाहिए। उनकी समस्याएं सुलझाई जाएंगी, लेकिन इसमें कुछ समय लगेगा। भगवंत मान ने चुनाव पूर्व प्रदेशवासियों से 300 यूनिट मुफ्त बिजली, 18 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपए देने समेत कई वादे किए थे। जिनमें से किए गए सबसे पहले वादे को लेकर भगवंत मान पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक के साथ चर्चा करने वाले हैं और माना जा रहा है कि पंजाब सरकार जल्द ही 300 यूनिट मुफ्त बिजली का ऐलान कर सकते हैं।

पहली बार यूपी विधान परिषद में बीजेपी को बहुमत, सपा का नहीं खुला खाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में बहुमत हासिल करने के ठीक एक महीने बाद भारतीय जनता पार्टी ने एक और इतिहास रच दिया है। भगवा दल ने पहली बार उत्तर प्रदेश के विधान परिषद में बहुमत हासिल कर लिया है। भाजपा अब विधान परिषद की 100 में से 67 सीटों पर काबिज हो गई है। इससे योगी सरकार की ताकत और बढ़ गई है। सरकार अब अपने दम पर कानून दोनों सदनों से पारित करा सकती है। वहीं, सपा को मिली करारी हार से विपक्ष दल की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। पहले से बगावत का सामना कर रहे अखिलेश यादव की चुनौतियां बढ़ेंगी। स्थानीय निकाय प्राधिकार क्षेत्र से विधान परिषद की रिक्त 36 सीटों में से 33 पर भाजपा ने जीत हासिल कर ली है। 9 सीटों पर भाजपा प्रत्याशी निर्विरोध जीत हासिल कर चुके थे तो मंगलवार को 24 और सीटों पर विजेता घोषित हुए। समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव के लिए परिणाम बेहद निराशाजनक रहे हैं। एक भी सीट पर पार्टी का खाता नहीं खुल सका है। वहीं, 3 सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है। इन तीन सीटों पर बीजेपी की हारः भारतीय जनता पार्टी को विधान परिषद चुनाव में 3 सीटों पर हार का सामना करना पड़ा है।

हार्दिक पटेल को मिली बड़ी राहत, लड़ सकेंगे गुजरात चुनाव, SC ने अपराधी ठहराए जाने पर लगाई रोक

अहमदाबाद। सुप्रीम कोर्ट ने पाटीदार आरक्षण आंदोलन के दौरान हुए दंगों और आगजनी मामले में अपील पर फैघ्सला आने तक कांग्रेस के नेता हार्दिक पटेल की सजा पर रोक लगाते हुए कहा कि संबंधित उच्च न्यायालय को सजा पर रोक लगानी चाहिए थी। न्यायमूर्ति एस अब्दुल नजीर और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की खंडपीठ ने यह भी कहा कि पटेल की सजा पर रोक लगाने के लिए गुजरात उच्च न्यायालय के लिए यह एक उपयुक्त मामला था। इसलिए शीर्ष अदालत ने पटेल को राहत देने का फैसला किया। न्यायालय ने निर्देश दिया। यह मामला राज्य भर में पाटीदार आंदोलन के बाद हार्दिक के खिलाफ अहमदाबाद डिपार्टमेंट ऑफ क्राइम ब्रांच (क्ब्ठ) पुलिस स्टेशन द्वारा 2015 में दर्ज प्राथमिकी से संबंधित है। जनवरी 2020 में उन्हें जमानत देते हुए, अहमदाबाद की एक ट्रायल कोर्ट ने एक शर्त लगाई थी, जिसमें उन्हें राज्य छोड़ने से पहले अदालत की अनुमति लेने का निर्देश दिया गया था। बाद में पटेल ने इस शर्त को गुजरात हाई कोर्ट में चुनौती दी। हालांकि, एकल–न्यायाधीश पीठ ने याचिका खारिज कर दी थी और जमानत की शर्त को बरकरार रखा था। इसके बाद हार्दिक ने हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। निचली अदालत के आदेश को रद्द करते हुए सुप्रीम कोर्ट की दो–न्यायाधीशों की खंडपीठ ने कहा कि निचली अदालत द्वारा लगाई गई शर्त ष्अत्यधिक कठिन और अनुपातहीनष् है।

कोविड–19: भारत में संक्रमण के 796 नए मामले

नयी दिल्ली। भारत में कोविड–19 के 796 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 4,30,36,928 हो गई, जबकि देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या गिरकर 10,889 रह गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार को अद्यतन आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। मंत्रालय के सुबह आठ बजे के आंकड़ों के अनुसार, 19 और लोगों की संक्रमण से मौत होने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,21,710 हो गई। देश में कोविड–19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 10,889 रह गई है, जो कुल मामलों का 0.03 प्रतिशत है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.76 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 169 की कमी दर्ज की गई। गौरतलब है कि देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ के पार हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 26 जनवरी को मामले चार करोड़ के पार पहुंच गए थे।

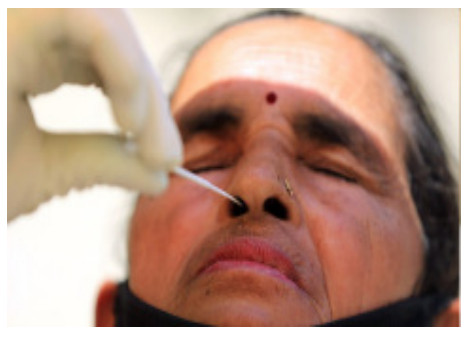

खरगोन मामले में गलत ट्वीट कर फंसे दिग्विजय

शिवराज ने दी चेतावनी, नरोत्तम मिश्रा ने कहा– वैधानिक कार्रवाई की जा सकती है

भोपाल। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह पर बड़ी कार्रवाई हो सकती है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिग्विजय सिंह को कड़ी चेतावनी दी है। सीएम शिवराज ने कहा कि प्रदेश को दंगे की आग में झोंकने का षड़यंत्र रचा गया है। दिग्विजय सिंह के ट्वीट पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज सुबह मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने धार्मिक स्थल पर झंडा फहराने का जो ट्वीट किया है वो फोटो मध्य प्रदेश की नहीं है। इसके साथ ही सीएम शिवराज ने कहा कि दिग्विजय सिंह ने प्रदेश को दंगों की आग में झोकने की साजिश की है और मेरे प्रदेश में कोई भी व्यक्ति ऐसी साजिश करेगा तो वो कोई भी हो मैं बर्दाश्त नहीं करूंगा।

क्या है पूरा मामलाः बता दें कि मध्य प्रदेश के खरगोन में 10 अप्रैल को राम नवमी के मौके पर शोभायात्रा निकाली गई थी। इस यात्रा के दौरान कुछ लोगों ने पथराव किया। पूरे क्षेत्र में हिंसा हुई। घटना के बाद दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया के जरिये अपनी प्रतिक्रिया दी थी। दिग्विजय सिंह ने एक फोटो शेयर किया था जिसमें कुछ युवक मस्जिद पर भगवा झंडा लगाते नजर आ रहे थे। जिसके साथ ही उन्होंने लिखा था कि क्या खरगोन मैं प्रशासन की तरफ से हथियारों को लेकर जुलूस निकालने की इजाजत दी गई थी? लेकिन बाद में पता चला की वो फोटो मध्य प्रदेश की नहीं बल्कि बिहार की थी। दिग्विजय ने ट्वीट को बाद में डीलिट कर दिया। लेकिन तब तक ये वायरल हो चुका था।

हो सकती है कार्रवाहीः गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ कार्रवाहीके सकेंत दिए है। डॉ मिश्रा ने कहा है कि दंगाइयों के मकानों दुकानों पर बुलडोजर चलते ही चचा जान दिग्विजय सिंह का दर्द सामने आ गया है वह प्रदेश में साम्प्रदायिक तनाव फैलाने के लिए अब झूठे ट्वीट करने तक से नही चूक रहे है। गृह मंत्री डॉ मिश्रा ने कहा कि टुकड़े टुकड़े गैंग की स्लीपर सेल के मंसूबे खरगोन में फेल हो गए है। दंगाइयों के खिलाफ की जा रही कड़ी कार्यवाही से टुकड़े टुकड़े गैंग के लोग दहशत में आ गए है यही कारण है कि अब यह लोग प्रदेश की शांति भंग करने के लिए झूठ बोलकर भृम फैला रहे है। डॉ नरोत्तम मिश्रा ने कहा, मैंने दिग्विजय सिंह का ट्वीट देखा है। खरगोन में जब शांति दूतों ने रामनवमी के जुलूस पर पत्थर फेंके थे तब दिग्विजय ने ना कोई सवाल उठाया ना कोई ट्वीट किया। सवाल तो तब उठे जब हमने दंगाइयों पर कार्रवाई की। यह पीड़ादाई होता है। कभी तो समानता की सोचना चाहिए।

शिवराज के मंत्री ने पूछा– क्या आप दंगा कराना चाहते होः दिग्विजय सिंह के ट्वीट पर मध्य प्रदेश के मंत्री विश्वास सारंग ने भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि दिग्विजय सिंह(कांग्रेस नेता) ने जिस तरह का ट्वीट किया है, वह देशद्रोह की श्रेणी में आता है और वह निंदनीय है। उन्होंने सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश की है। क्या आप दंगा कराना चाहते हो? मंत्री विश्वास सारंग ने कहा है कि क्या आप दंगाइयों को उकसाना चाहते हो? उनके खघ्लाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए, उनके ट्विटर अकाउंट को बंद कर दिया जाना चाहिए। क्यों वे अपने अकाउंट से सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करते हैं?

कार्यालय–ग्राम पंचायत–हयात नगर
विकास खण्ड–बांसी–सिद्धार्थनगर

–:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:–

वर्ष 2022–23 के लिए मनरेगा योजना/राज्य वित्त/चौदहवां /पन्द्रहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि/पंचमराज्यवित्त,पंचायत भवन/अन्तेय स्थल/विधायक निधि,सांसद निधि,गोवंश आश्रय केन्द्र व अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों की सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी,ईंट की गिट्टी, मोरंग बालू ,सादा बालू, सीमेंट ,सीमेंट ईट ,सरिया, हयूम पाइप,विद्युत के समान ,सफाई सामग्री ,पैंट ,टाइल्स, साइन बोर्ड इत्यादि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा द्वारा दिनांकः 23.04.2022 को अपराह्न 2.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न 3.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 23.04.2022 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **हयात नगर** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी।

नियम व शर्त :–1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा ।2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्ससंलग्न करना होगा ।3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा ।4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थलपर करनी होगी ।5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये ।6.सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी ।7.सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को २.२४प्रतिशत आयकर देना होगा ।8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा।

11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **हयात नगर** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12.आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी ।13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **हयात नगर** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/–रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा ।14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **हयात नगर** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव
अशोक कुमार	**राम वेलास**
ग्राम पंचायत–हयात नगर	ग्राम पंचायत–हयात नगर
वि0खंड–बांसी	वि0 खंड–बांसी

कार्यालय–ग्राम पंचायत–बगहवा कोमर
विकास खण्ड–बांसी–सिद्धार्थनगर

–:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:–

वर्ष 2022–23 के लिए मनरेगा योजना/राज्य वित्त/चौदहवां /पन्द्रहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि/पंचमराज्यवित्त,पंचायत भवन/अन्तेय स्थल/विधायक निधि,सांसद निधि,गोवंश आश्रय केन्द्र व अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों की सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी,ईंट की गिट्टी, मोरंग बालू ,सादा बालू, सीमेंट ,सीमेंट ईट ,सरिया, हयूम पाइप,विद्युत के समान ,सफाई सामग्री ,पैंट ,टाइल्स, साइन बोर्ड इत्यादि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा द्वारा दिनांकः 22.04.2022 को अपराह्न 12.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न 2.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 22.04.2022 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **बगहवा कोमर** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी।

नियम व शर्त :–1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा ।2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्ससंलग्न करना होगा ।3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा ।4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थलपर करनी होगी ।5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये ।6.सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी ।7.सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को २.२४प्रतिशत आयकर देना होगा ।8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा।

11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **बगहवा कोमर** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12.आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी ।13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **बगहवा कोमर** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/–रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा ।14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **बगहवा कोमर** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव
चन्द्रावती	**राम वेलास**
ग्राम पंचायत–बगहवा कोमर	ग्राम पंचायत–बगहवा कोमर
वि0खंड–बांसी	वि0 खंड–बांसी

कार्यालय–ग्राम पंचायत–गोनहाडीह
विकास खण्ड–बांसी–सिद्धार्थनगर

–:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:–

वर्ष 2022–23 के लिए मनरेगा योजना/राज्य वित्त/चौदहवां /पन्द्रहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि/पंचमराज्यवित्त,पंचायत भवन/अन्तेय स्थल/विधायक निधि,सांसद निधि,गोवंश आश्रय केन्द्र व अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों की सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी,ईंट की गिट्टी, मोरंग बालू ,सादा बालू, सीमेंट ,सीमेंट ईट ,सरिया, हयूम पाइप,विद्युत के समान ,सफाई सामग्री ,पैंट ,टाइल्स, साइन बोर्ड इत्यादि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा द्वारा दिनांकः 23.04.2022 को अपराह्न 12.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न 2.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 23.04.2022 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **गोनहाडीह** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी।

नियम व शर्त :–1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा ।2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्ससंलग्न करना होगा ।3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा ।4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थलपर करनी होगी ।5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये ।6.सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी ।7.सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को २.२४प्रतिशत आयकर देना होगा ।8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा।

11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **गोनहाडीह** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12.आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी ।13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **गोनहाडीह** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/–रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा ।14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **गोनहाडीह** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव
शर्मिला	**जय प्रकाश राय**
ग्राम पंचायत–गोनहाडीह	ग्राम पंचायत–गोनहाडीह
वि0खंड–बांसी	वि0 खंड–बांसी

कार्यालय–ग्राम पंचायत–जाजरगठिया
विकास खण्ड–बांसी–सिद्धार्थनगर

–:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:–

वर्ष 2022–23 के लिए मनरेगा योजना/राज्य वित्त/चौदहवां /पन्द्रहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि/पंचमराज्यवित्त,पंचायत भवन/अन्तेय स्थल/विधायक निधि,सांसद निधि,गोवंश आश्रय केन्द्र व अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों की सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी,ईंट की गिट्टी, मोरंग बालू ,सादा बालू, सीमेंट ,सीमेंट ईट ,सरिया, हयूम पाइप,विद्युत के समान ,सफाई सामग्री ,पैंट ,टाइल्स, साइन बोर्ड इत्यादि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा द्वारा दिनांकः 25.04.2022 को अपराह्न 12.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न 2.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 25.04.2022 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **जाजरगठिया** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी।

नियम व शर्त :–1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा ।2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्ससंलग्न करना होगा ।3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा ।4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थलपर करनी होगी ।5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये ।6.सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी ।7.सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को २.२४प्रतिशत आयकर देना होगा ।8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा।

11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **जाजरगठिया** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी ।13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **जाजरगठिया** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/–रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा ।14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **जाजरगठिया** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव
सत्य विजय	**जय प्रकाश राय**
ग्राम पंचायत–जाजरगठिया	ग्राम पंचायत–जाजरगठिया
वि0खंड–बांसी	वि0 खंड–बांसी

कार्यालय–ग्राम पंचायत–बस्ठा
विकास खण्ड–बांसी–सिद्धार्थनगर

–:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:–

वर्ष 2022–23 के लिए मनरेगा योजना/राज्य वित्त/चौदहवां /पन्द्रहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि/पंचमराज्यवित्त,पंचायत भवन/अन्तेय स्थल/विधायक निधि,सांसद निधि,गोवंश आश्रय केन्द्र व अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों की सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी,ईंट की गिट्टी, मोरंग बालू ,सादा बालू, सीमेंट ,सीमेंट ईट ,सरिया, हयूम पाइप,विद्युत के समान ,सफाई सामग्री ,पैंट ,टाइल्स, साइन बोर्ड इत्यादि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा द्वारा दिनांकः 25.04.2022 को अपराह्न 2.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न 3.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 25.04.2022 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **बस्ठा** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी।

नियम व शर्त :–1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा ।2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्ससंलग्न करना होगा ।3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा ।4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थलपर करनी होगी ।5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये ।6.सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी ।7.सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को २.२४प्रतिशत आयकर देना होगा ।8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा।

11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **बस्ठा** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12.आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी ।13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **बस्ठा** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/–रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा ।14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **बस्ठा** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव
उर्मिला	**जय प्रकाश राय**
ग्राम पंचायत–बस्ठा	ग्राम पंचायत–बस्ठा
वि0खंड–बांसी	वि0 खंड–बांसी

कार्यालय–ग्राम पंचायत–बलुआ
विकास खण्ड–बांसी–सिद्धार्थनगर

–:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:–

वर्ष 2022–23 के लिए मनरेगा योजना/राज्य वित्त/चौदहवां /पन्द्रहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि/पंचमराज्यवित्त,पंचायत भवन/अन्तेय स्थल/विधायक निधि,सांसद निधि,गोवंश आश्रय केन्द्र व अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों की सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी,ईंट की गिट्टी, मोरंग बालू ,सादा बालू, सीमेंट ,सीमेंट ईट ,सरिया, हयूम पाइप,विद्युत के समान ,सफाई सामग्री ,पैंट ,टाइल्स, साइन बोर्ड इत्यादि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा द्वारा दिनांकः 19.04.2022 को अपराह्न 2.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न 3.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 19.04.2022 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **बलुआ** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी।

नियम व शर्त :–1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा ।2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्ससंलग्न करना होगा ।3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा ।4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थलपर करनी होगी ।5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये ।6.सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी ।7.सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को २.२४प्रतिशत आयकर देना होगा ।8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा।

11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **बलुआ** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12.आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी ।13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **बलुआ** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/–रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा ।14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **बलुआ** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव
रुकसार	**परशुराम मणि त्रिपाठी**
ग्राम पंचायत–बलुआ	ग्राम पंचायत–बलुआ
वि0खंड–बांसी	वि0 खंड–बांसी

कार्यालय–ग्राम पंचायत–हरैया प्रथम
विकास खण्ड–मिठ्वल –सिद्धार्थनगर

–:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:–

वर्ष 2022–23 के लिए मनरेगा योजना/राज्य वित्त/चौदहवां /पन्द्रहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि/पंचमराज्यवित्त,पंचायत भवन/अन्तेय स्थल/विधायक निधि,सांसद निधि,गोवंश आश्रय केन्द्र व अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों की सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी,ईंट की गिट्टी, मोरंग बालू ,सादा बालू, सीमेंट ,सीमेंट ईट ,सरिया, हयूम पाइप,विद्युत के समान ,सफाई सामग्री ,पैंट ,टाइल्स, साइन बोर्ड इत्यादि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा द्वारा दिनांकः 29.04.2022 को अपराह्न 10.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न 12.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 29.04.2022 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **हरैया प्रथम** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी।

नियम व शर्त :–1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा ।2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्ससंलग्न करना होगा ।3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा ।4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थलपर करनी होगी ।5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये ।6.सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी ।7.सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को २.२४प्रतिशत आयकर देना होगा ।8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा।

11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **हरैया प्रथम** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12.आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी ।13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **हरैया प्रथम** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/–रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा ।14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **हरैया प्रथम** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव
धर्मेन्द्र कुमार	**दुर्गेश कुमार सिंह**
ग्राम पंचायत–हरैया प्रथम	ग्राम पंचायत–हरैया प्रथम
वि0खंड–मिठ्वल	वि0 खंड–मिठ्वल

कार्यालय–ग्राम पंचायत–महेदिया बुजुर्ग
विकास खण्ड–उसका बाजार–सिद्धार्थनगर

–:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:–

वर्ष 2022–23 के लिए मनरेगा योजना/राज्य वित्त/चौदहवां /पन्द्रहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि/पंचमराज्यवित्त,पंचायत भवन/अन्तेय स्थल/विधायक निधि,सांसद निधि,गोवंश आश्रय केन्द्र व अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों की सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी,ईंट की गिट्टी, मोरंग बालू ,सादा बालू, सीमेंट ,सीमेंट ईट ,सरिया, हयूम पाइप,विद्युत के समान ,सफाई सामग्री ,पैंट ,टाइल्स, साइन बोर्ड इत्यादि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा द्वारा दिनांकः 16.04.2022 को अपराह्न 10.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न 12.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 16.04.2022 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **महेदिया बुजुर्ग** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी।

नियम व शर्त :–1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा ।2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्ससंलग्न करना होगा ।3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा ।4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थलपर करनी होगी ।5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये ।6.सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी ।7.सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को २.२४प्रतिशत आयकर देना होगा ।8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा।

11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **महेदिया बुजुर्ग** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12.आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी ।13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **महेदिया बुजुर्ग** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/–रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा ।14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **महेदिया बुजुर्ग** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव
हरिराम यादव	**अलका वर्मा**
ग्राम पंचायत–महेदिया बुजुर्ग	ग्राम पंचायत–महेदिया बुजुर्ग
वि0खंड–उसका बाजार	वि0 खंड–उसका बाजार

सांसद जगदंबिका ने किया इटवा सीएचसी में आक्सीजन प्लांट लगवाने की घोषणा

इटवा सीएचसी में लगेगा 96.97 लाख रुपए का आक्सीजन प्लांट

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सामाजिक न्याय पखवाड़ा के तहत इटवा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर मंगलवार को कोविड टीकाकरण अभियान के संदर्भ में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि पहले हमारे जिले के बच्चे जापानी इंसेफेलाइटिस की चपेट में आने के बाद काल के गाल में समां जाते थे और जो उससे बच भी जाते थे वह विकलांग हो जाते थे लेकिन जब 2017 में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश की भाजपा सरकार ने शासन संभाला तब से योगी आदित्यनाथ के सम्यक प्रयास से जापानी इंसेफेलाइटिस लगभग समाप्त हो गई है। इटवा सीएचसी में 96.97 लाख रुपए के आक्सीजन प्लांट लगवाने की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि कोविड की समय आक्सीजन की कमी से कई लोगों की जानें चली गई। अब पूरे जिले में आक्सीजन की कमी नहीं होने दिया जाएगा। उन्होने कहा कि इटवा क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने के लिए इटवा सीएचसी को फर्स्ट रेफरल यूनिट (एफआरयू) मिली हैं। जिससे अब महिलाओं के प्रसव के लिए आपरेशन के लिए अब जिला मुख्यालय नहीं जाना होगा। उन्होंने कहा कि जनपद में मेडिकल कालेज बनने से स्वास्थ्य सेवाएं और बेहतर हुई है उन्हें और अच्छा करने का प्रयास लगातार शासन द्वारा किया जा रहा है। इस दौरान डीआईओ डा.सौरभ चतुर्वेदी, सीएचसी अधीक्षक डा. वीके वैद्य, डा.संजय गुप्ता, डा. देवेश, डा.संदीप द्विवेदी, डा.आरपी गौड़, बालमुकुंद बाबा, ओमप्रकाश तिवारी, माधव यादव, फतेह बहादुर सिंह, शिवकुमार वर्मा, सुनील पांडेय, रामनेवास उपाध्याय, जगदीश यादव आदि मौजूद थे।

जिलाधिकारी दीपक मीणा ने किया गेहूँ क्रय एंव गौशाला की समीक्षा बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना, गेहूँ क्रय तथा गौशाला की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी दीपक मीणा की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी पुलकित गर्ग की उपस्थिति में विकास भवन सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी दीपक मीणा ने कहा कि विगत वर्षो की भाति वृक्षारोपण कराने का लक्ष्य प्राप्त हो गया है इसे समय से पूर्ण करने हेतु संबधित को निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने समस्त खण्ड विकास अधिकारी को निर्देश दिया कि हैण्ड पम्प तथा ट्यूबेल का निरीक्षण कर उसके रिबोर तथा कमियोंध संचालन के बारे में सूचना उपलब्ध कराये। जिलाधिकारी ने सभी तालाबो में पानी भरवाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने समस्त उपजिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि चकमार्गो को चिन्हित कर मरम्मत कराये। इसके अलावा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, गौशाला, जल जीवन मिशन, आई0जी0आर0एस0, शौचालय, कोविड–19 टीकाकरण, संचारी रोग, दस्तक अभियान, गेहूँ क्रय आदि के बारे में समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी दीपक मीणा अधिशासी अधिकारी नगर पालिकाध्नगर पंचयत तथा खण्ड विकास अधिकारी को निर्देश दिया कि गौशालाओ को संचालित कराकर गौंवंश को संरक्षित करे। गौशाला में चारा–भूसा आदि की व्यवस्था करा ले। इस बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्ति अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) उमाशंकर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 अनिल कुमार चौधरी, समस्त उपजिलाधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवेन्द्र कुमार पाण्डेय, अधिशासी अभियन्ता जल निगम, जिला पंचायत राज अधिकारी आदर्श, समस्त खण्ड विकास अधिकारी, तथा अन्य संबधित अधिकारी उपस्थित थे।

ग्रामीणो ने किया शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र में फायर स्टेशन बनाने की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र के लोगों ने शोहरतगढ़ क्षेत्र में फायर स्टेशन बनवाने की मांग की है। फायर स्टेशन बनने से गेहूं की फसलों, दुकानों व घरों में आग लगने पर तत्काल आग पर काबू किया जा सकता है। शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र में गेहूं की फसलों को आग से बचाने के लिए संसाधनों की कमी है, ऐसे में फसलों की सुरक्षा के लिए किसानों को ज्यादा सतर्क रहना होगा। नेपाल सीमा से सटे शोहरतगढ़ की गिनती तराई क्षेत्र की 80 प्रतिशत आबादी खेती पर निर्भर है। यहां मुख्य तौर पर किसान दो फसल लगाते हैं,नेपाल से निकली नदियों के उफान पर जहां धान की फसल नष्ट हो जाती है वहीं गेहूं के सीजन में आग से तबाही मचती है,शोहरतगढ़ क्षेत्र में हजारों एकड़ गेहूं की फसल बर्बाद हो जाती है, किसान के साथ प्रशासन भी बेबस रहता है। इसका कारण शोहरतगढ़ क्षेत्र में

आग से बचाव के इंतजाम नाकाफी है,फायर स्टेशन ना होने से हर वर्ष हजारों एकड़ फसल जलकर नष्ट हो जाती है क्षेत्र में जहां आग लगती है तो जनपद मुख्यालय से फायर बिग्रेड की गाड़ियां यहां आती है दूरी अधिक होने से कारण गाड़ियां पहुंच नहीं पाती हैं,जब पहुंचती है तब तक फसलें जलकर राख हो जाती हैं अगर फायर स्टेशन बन जाए तो बहुत हद तक आग पर काबू पाया जा सकता है। किसान राम सरन चौधरी ने कहा है कि स्थानीय विधायक व उत्तर प्रदेश सरकार को शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र में फायर स्टेशन बनवाना चाहिए, ताकि खेत में आग लगने पर तत्काल काबू पा सके, हम किसानों की फसलें नष्ट होने से बच जाए। सिद्धार्थ वेलफेयर सोसाइटी के प्रबंधक वकार खान ने कहा कि शोहरतगढ़ क्षेत्र के व्यापारियों और किसानों के समस्याओं को लेकर जनप्रतिनिधियों को ध्यान देने की आवश्यकता है,फायर स्टेशन का निर्माण होने से जल्द ही आग पर काबू किया जा सकता है,हजारों एकड़ फसलें नष्ट होने से बच सकती हैं। प्रधान प्रतिनिधि पिंटू पटेल ने कहा है कि शोहरतगढ़ क्षेत्र में आग से बचाव का इंतजाम नाकाफी है, जनप्रतिनिधियों को फायर बिग्रेड स्टेशन बनवाने का प्रयास करना चाहिए। प्रधान झरुआ वीरेंद्र जायसवाल ने कहां कि क्षेत्र में फायर स्टेशन बनने से यहां के व्यापारियों और किसानों को फायदा मिलेगा कोई भी घटना घटने पर तत्काल सहायता मिलेगी। शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र के धर्मेंद्र जायसवाल, राजनेत गुप्ता, रामप्रताप, राधेश्याम, अखिलेश जायसवाल, अनिल जायसवाल, मनीष गुप्ता, चंदन चौहान, इरशाद खान, आरिफ खान, शहजाद सिद्दीकी, दानिश, अरमान अंसारी, संजय गुप्ता, रमेश गुप्ता, कैलाश विश्वकर्मा आदि ने भी फायर स्टेशन बनवाने की मांग की है।

पूरी रात चल रहा अवैध मिट्टी खनन प्रशासन मौन

पंकजचौबे/दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ तहसील क्षेत्र के थाना ढेबरुआ में अवैध रूप से मिट्टी का खनन जोरों पर चल रहा है। सब कुछ पुलिस व प्रशासन के नाक के नीचे हो रहा है, लेकिन प्रशासनिक अमला शांत बैठा हुआ है। पूरे थाना क्षेत्र में जेसीबी व ट्रैक्टर लगा कर खनन माफिया शासन के दिशा निर्देशो की धज्जियां उड़ा रहे है। शिकायत के बाद भी कार्रवाई न होने से खनन माफियाओं के हौसले बुलंदी पर है। शासन ने पूरे प्रदेश में अवैध रुप से हो रहे खनन पर रोक लगाई हुई है। खनन के लिए शासन से आवश्यक दिशा निर्देश भी प्रशासनिक अमले को दी गई है। इसके बाद भी शोहरतगढ तहसील क्षेत्र में पुलिस व तहसील प्रशासन की अनदेखी व मिली भगत के चलते मिट्टी खनन का कार्य बे रोक–टोक चल रहा है। खनन माफिया खुलेआम जेसीबी से ट्रैक्टर–ट्राली पर मिट्टी लाद कर क्रय विक्रय कर रहे है। क्षेत्र के कई लोगों ने इस बाबत तहसील व पुलिस प्रशासन से शिकायत भी किया, लेकिन खनन माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई न होने से उनके हौसले बुलंद है। अवैध रूप से खनन के बाद लदी मिट्टियां लेकर रोड पर चलने वाले ट्रैक्टर चालकों की रफ्तार इतनी तेज होती है कि अक्सर हादसे भी होते रहते है। इसके बाद भी इन अवैध खनन करने वालों के खलिाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। वहीं इस सम्बंध में थाना प्रभारी ढेबरुआ से पूछे जाने पर उनका कहना है खनन की जिम्मेदारी पुलिस की नही है।

एसओ ने स्कूली छात्राओं को कराया शक्ति का एहसास

- **एसओ जय प्रकाश दूबे, उपनिरीक्षक रविकांत मणि त्रिपाठी, महिमा का. महिमा सिंह ने कार्यक्रम को किया**
- **स्कालर्स स्कूल में पुलिस ने दी स्कूली छात्राओं को सरकार के विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी**

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। योगी सरकार 2.0 की शुरुआत से ही उत्तर प्रदेश पुलिस ने महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा पर जोर देना शुरू कर दिया है। प्रदेश के सभी जिलों में महिलाओं और छात्राओं में सुरक्षा की भावना पैदा करने का पूरा प्रयास कर रही है। इसके लिए पुलिस का एंटी रोमियो स्क्वायड, स्कूल और कॉलेजों के बाहर व भीड़भाड़ वाले बाजारों में सक्रिय है। साथ ही पुलिस के अधिकारी स्कूल और कॉलेजों में जाकर न सिर्फ छात्राओं में सुरक्षा की भावना पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं, बल्कि उन्हें उनके साथ होने वाले अपराध के खिलाफ खुलकर सामने आने को भी प्रेरित कर रहे हैं। मंगलवार को स्कालर्स स्कूल के सभागार में महिला सशक्तिकरण अभियान को लेकर एसवओव जयप्रकाश दूबे एवं उपनिरीक्षक रविकान्त मणि त्रिपाठी सहित महिला का० महिमा सिंह ने स्कूली बच्चों को जागरुक किया। एसओ जय प्रकाश दूबे ने स्कूली बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि अपराध के खिलाफ वह चुप्पी तोडकर सामने आएं। पुलिस उनके साथ है। हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत करने पर पीड़िता की जानकारी गुप्त रखी जाएगी। पीड़िता को कभी थाने नहीं बुलाया जाएगा। साथ ही पीड़िता की शिकायत का निदान भी महिला अधिकारी द्वारा ही किया जाएगा। यहां तक उनके परिवार के लोगों को भी इसकी भनक नहीं लगने दी जाएगी। शिकायत का समाधान होने तक महिला अधिकारी पीड़िता के संपर्क में रहेंगी। उपनिरीक्षक रविकान्त मणि त्रिपाठी ने स्कूली बच्चों को बताया कि कोई भी मुसीबत आने पर वह मदद के लिए सरकार के विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों पर कॉल कर सकती हैं। पुलिस या फिर संबंधित विभाग के अधिकारी उनकी मदद को तुरंत पहुंचेंगे। छात्राओं को बताया गया कि वह वीमेन पॉवर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, एम्बुलेंस सेवा 108, चाइल्ड लाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102 और पुलिस आपातकालीन सेवा के लिए 112 नंबर पर कॉल कर सकती हैं। महिला का महिमा सिंह ने उन्हें भरोसा दिया कि वह मौके पर लोगों की मदद लेकर पुलिस से शिकायत कर सकती हैं या फिर अपने मोबाइल नंबर से भी सीधी कॉल कर मनचलों और छेडखघनी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करा सकती हैं। साथ ही नवरात्रि पर्व में मिशन शक्ति कार्यक्रम की शुरुआत को लेकर कहा हिंदुस्तान धर्म प्रधान देश है, यहाँ मातृ शक्ति की वंदना करने की परम्परा है।

महिला हेल्पडेस्क की स्थापना के साथ साइबर हेल्प डेस्क की विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान प्रमुख रूप से का प्रिया शुक्ला, स्कालर्स स्कूल के प्रबंधक पूनम परसरामका, कोऑर्डिनेटर प्रभात उपाध्याय, लिपिक बजरंग, दिलीप उपाध्याय, रघुराज मणि त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

एएसपी रावत ने पुलिसकर्मियों संग लगायी दौड

पुलिसलाइन में दौड़ लगाते एएसपी रावत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। एएसपी सुरेश चंद्र रावत ने मंगलवार को पुलिस लाइन में पहुच कर प्रातः कालीन परेड पर पुलिस कर्मियों की

शारीरिक दक्षता एवं अनुशासन बनाए रखने हेतु कराई जाने वाली नियमित परेड का निरीक्षण किया। कर्मचारियों का सम्मेलन कर उनकी समस्याओं की जानकारी लीस चिल्ड्रन पार्क को अपग्रेड कराए जाने, आवासीय परिसर की रंगाई पुताई तथा विद्युत तारों को आधुनिक कराने हेतु हेतु एस्टीमेट तैयार करवाने के निर्देश प्रतिसार निरीक्षक को दिए गए। मोटर परिवहन शाखा का निरीक्षण कर वाहनों को सक्रिय बनाए रखने तथा भोजनालय का निरीक्षण कर गुणवत्तापूर्ण भोजन नियमित तैयार करवाने के निर्देश दिए गए। पुलिस लाइन परिसर स्थित जिम्नेशियम को सुबह शाम जवानों के लिए अवश्य खुला रखने के कहा गया।

सम्पादकीय

पाकिस्तान में एक और शरीफ...

तदंतर वे 2008 से 2018 तक पंजाब के सीएम रहे। शाहबाज अपने भाई नवाज से ज्यादा दौलतमंद माने जाते हैं और मनी लांड्रिंग को लेकर वे गिरफ्तार भी हुए। उन पर मुकदमे अभी भी चल रहे हैं। बतौर पीएम कामयाबी के लिए उन्हें शतनी हुई रस्सी पर नटश जैसा कौशल प्रदर्शित करना होगा। शाहबाज के लिए अच्छा होगा कि ...

भारतीय उपमहाद्वीप के सभी देशों में सियासत में खानदानों के वर्चस्व की परंपरा रही है। पाकिस्तान में पीएम के कूचे से इमरान खान नियाजी की बेआबरू–विदाई के उपरांत शाहबाज शरीफ के पीएम हाउस की देहरी तक पहुंचने को इसी रवायत का निर्वाह माना जा सकता है। गौरतलब है कि शाहबाज पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रह चुके नवाज शरीफ के छोटे भाई हैं और उन्हें मौकों के लिहाज से तीन बार और मोहलत के मान से सबसे ज्यादा सालों के लिए पंजाब का चीफ मिनिस्टर बने रहने का फख्र हासिल है। पाकिस्तान के लिए संडे इस नाते मानीखेज रहा कि इस वैश्विक छुट्टी के दिन लोगों को इमरान की छुट्टी की खबर मिली। शनिवार को रात देर गये पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान ने श्आखिरी गेंद तक लडनेय का राग आलाप रहे बड़बोले और जिद्दी इमरान खान की छुट्टी कर दी। 167 मेंबरों के दस्तखत से पेश नो–कांफिडेंस मोशन को उन सात दीगर मेंबरों का भी समर्थन मिला, जिन्होंने प्रस्ताव पर हस्ताक्षर नहीं किये थे। सदन में पराजय से इमरान ने किसी भी प्रधानमंत्री के पद पर पांच साल पूरे न कर पाने का मिथक को बरकरार रखा। असेंबली के फैसले ने इस बात की भी तस्दीक कर दी कि पाकिस्तान में जम्हूरियत की जमीन सख्त नहीं है, लिहाजा वहां अभी भी फौज को ठेंगा दिखाकर हुकूमत करना आसान नहीं है। अगर्चे इमरान नियाजी फौज के मुखिया जनरल बाजवा से पंगा नहीं लेते तो शायद उन्हें बतौर पीएम कुछ और दिनों की मोहलत मिल गयी होती। उनके चित्रद्यी लहराने से पाकिस्तान में परिवर्तन के वास्ते किसी अमेरिकी षडयंत्र की पुष्टि तो नहीं होती, अलबत्ता तय है कि पाक हुक्मरान के लिए व्हाइट हाउस की नाराजगी मायने रखती है। पाकिस्तान में सियासत, सेना, कार्पोरेट और राजनय में अमेरिका की चाबी भरे हुए खिलौनों की कमी नहीं है। बिला शक धुंधलके की गुंजाइश इसलिए नहीं है, क्योंकि पीएमएल (नवाज) की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मरयम नवाज ने पहले ही साफ कर दिया है कि अविश्वास प्रस्ताव के पारित होने पर शाहबाज प्रधानमंत्री पद के दावेदार होंगे। मरयम पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी होने के नाते शाहबाज की भतीजी होती हैं। बिलावल भुट्टो ने भी इसी आशय के संकेत दिये हैं। शाहबाज सन् 2018 में नेशनल असेंबली के चुनाव में पीएम–शिप के दावेदार थे, लेकिन उनके नसीब में इंतजार बदा था। ढाई साल इंतजार के बाद अब यह नौबत आई है कि वे बेमेल पार्टियों के कुनबे के बूते कुछ अर्सा के लिए ऐसे मुल्क के प्रधानमंत्री बन सकते हैं, जो बदहाली, बदइंतजामी और बदमिजाजी के कठिन दौर से गुजर रहा है। शाहबाज शरीफ 13 अगस्त, 2018 से नेशनल असेंबली के सदस्य हैं और विपक्ष के नेता भी। वे पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं। 23 सितंबर सन् 1951 को जनमे शाहबाज के पिता कारोबारी थे और कारोबार के सिलसिले में अक्सर अनंतनाग आया–जाया करते थे। शरीफ की मां पुलवामा की थी। शरीफ परिवार अमृतसर में आ बसा था, लेकिन बंटवारा हुआ तो परिवार लाहौर चला गया। सनद के बाद शाहबाज ने भी कारोबार संभाला, किन्तु सन् 80 के दशक में उन्होंने सियासत में प्रवेश किया। सन् 1988 में लाहौर से पंजाब विधानसभा का पहला चुनाव जीतने के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। सन् 1990 में वे स्टेट असेंबली और नेशनल असेंबली दोनों के लिए लड़े और जीते, मगर उन्होंने नेशनल को वरीयता दी। सन् 97 में वे पहली दफा पंजाब के सीएम बने, लेकिन दो साल बाद ही श्कू–दे–ताय ने उनकी कुर्सी छीन ली। उन्हें सपरिवार भागकर दुबई जाना पड़ा, जहां से वे सन् 2007 में लौट सके।

खतरनाक दिशा में दुनिया

प्रथम विश्व युद्ध के बाद लीग ऑफ नेशन्स बना था। लेकिन वह विफल रहा। उसका बहुत घातक परिणाम दुनिया को झेलना पड़ा। इसीलिए संयुक्त राष्ट्र में सुरक्षा परिषद को शामिल किया गया। प्रावधान किया गया कि दुनिया की पांच बड़ी शक्तियों को इसमें वीटो का अधिकार होगा।

पहले संदर्भ पर गौर करें। संयुक्त राष्ट्र का गठन दूसरे विश्व युद्ध के बाद हुआ। इसका प्राथमिक उद्देश्य था दुनिया में फिर दूसरे विश्व युद्ध जैसी हालत पैदा ना हो, उसे सुनिश्चित करना। प्रथम विश्व युद्ध के बाद लीग ऑफ नेशन्स बना था। लेकिन वह विफल रहा। उसका बहुत घातक परिणाम दुनिया को झेलना पड़ा। इसीलिए संयुक्त राष्ट्र में सुरक्षा परिषद को शामिल किया गया। प्रावधान किया गया कि दुनिया की पांच बड़ी शक्तियों को इसमें वीटो का अधिकार होगा। इन शक्तियों के बीच संतुलन पर विश्व शांति टिकी है– यह बात आज भी उतना ही सच है। लेकिन अब पश्चिमी देशों ने संयुक्त राष्ट्रों में हेरफेर शुरू कर दी है। अमेरिकी अधिकारी रूस को सुरक्षा परिषद से निकालने तक की बात कह चुके हैं। शुरुआत के तौर पर रूस को संयुक्त राष्ट्र मानव अधिकार परिषद से निकालने का प्रस्ताव लाया गया, जो पारित हो गया। संयुक्त राष्ट्र महासभा में 193 सदस्य देशों में से 93 ने ही प्रस्ताव के समर्थन में वोट किया। लेकिन प्रावधान यह है कि मतदान करने वाले कुछ सदस्यों का दो तिहाई अगर पक्ष में हो, तो प्रस्ताव पारित हो जाएगा।

विरोध में सिर्फ 24 देशों ने मतदान किया। 58 सदस्यों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। 19 सदस्य देश इस मौके पर उपस्थित ही नहीं हुए। मगर तकनीकी तौर पर प्रस्ताव को दो तिहाई समर्थन मिल गया और रूस की सदस्यता के निलंबन पर मुहर लग गई। इसे पश्चिमी देश अपनी जीत समझ सकते हैं। लेकिन हकीकत यह है कि 100 देशों ने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से ऐसे दुस्साहस में निहित खतरे की बेहतर समझ दिखाई। उन देशों ने समझा कि इस प्रस्ताव के जरिए जो किया जा रहा है, वह एक गलत शुरुआत है, जिसके खतरनाक नतीजे हो सकते हैं। पश्चिमी देशों पर इस पर भी गौर करना चाहिए कि इसके पहले जब महासभा में रूस के खिलाफ प्रस्ताव आए थे, तब 141 और 140 सदस्यों ने रूस के खिलाफ वोट किया था। इस बार ये संख्या घट कर सिर्फ 93 रह गई। मानवाधिकार परिषद में 47 सदस्य हैं। रूस अपनी तीन साल की सदस्यता के दूसरे साल में था। वहां अब रूस के ना रहने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। मगर पश्चिमी देशों की सरकारों को अपनी जनता को यह समझाने में मदद मिलेगी, दुनिया उनके साथ है।

भारत की श्रीलंका, पाक जैसी नहीं बल्कि अफ्रीकी देश जैसी दुर्दशा!

भारतीय मूल बहुल मश्करीशस में यह 10,230 डश्वलर है तो अंगोला और घाना भी भारत से ज्यादा प्रति व्यक्ति जीडीपी लिए हुए हैं। नोटबंदी के बाद की दिशा है कि भारत अब ऊपर याकि अंगोला व घाना की तरह बढ़ता हुआ नहीं है, बल्कि आंकड़ों में खेला करते हुए भी चुपचाप खोखला होता हुआ, नीचे गिरता हुआ चाड और मालावी देशों की श्रेणी में जाता हुआ है। यदि भारत का मौजूदा चाल–चलन अगले 15–20 वर्षों ...

हरिशंकर व्यास

इसलिए क्योंकि श्रीलंका और पाकिस्तान 1947 से नस्ल के कोर मिशन में बुने हुए हैं। इन दोनों देशों ने कई संकट देखें, लोगों का विद्रोह हुआ लेकिन आबादी की बुनावट में एक देश, जहां इस्लाम के मिशन में हजार साल घास खाने की कसम खाए हुए हैं वहीं श्रीलंका के सिंहली आधुनिक बौद्ध जीवन का स्थायी मकसद बनाए हुए हैं। भंडारनायके परिवार, जयवर्धने, प्रेमदासा और राजपक्षे परिवार कोई भी नेता परिवार व पार्टी वहां विचारधारा, मध्य मार्ग के किंतु–परंतु में नहीं रही। जैसे कि भारत और भारत के नेता तथा प्रजा 75 वर्षों से जीती आई है। तभी इतिहास दृष्टि में सौ साल बाद भारत का सार यह लिखा हुआ होगा कि लोगों के संघर्ष या मौके से 1947 में जब आजादी मिली तो उससे देश में काले अंग्रेज पैदा हुए। इन अंग्रेजों ने माई–बाप सरकार के मॉडल में लोगों को ऐसा लूटा, भ्रष्टाचार व नैतिक पतन में ऐसा मारा कि 75 साल बाद के अमृत वर्ष के वक्त 110 करोड़ लोग पांच किलो फ्री राशन, खैरातों से पेट भरते हुए थे! 1975–77 में पब्लिक जागी, जेपी की संपूर्ण क्रांति हुई तो क्रांति के बजाय लालू, रामविलास, नीतीश पैदा हुए। जातियों के अणु बम में हिंदू और खंड–विखंडित। सन् 2014 में हिंदू जागृति आई तो वे नरेंद्र मोदी पैदा हुए, जिनकी सत्ता का मिशन पानीपत की तीसरी लड़ाई और 1942 के जिन्ना के इस सपने को पूरा करना कि हर जिले में एक हिंदुस्तान और एक पाकिस्तान!

ऐसी बिखराव वाली रियलिटी में अफ्रीका के कई देश जीते आए हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि अफ्रीका आज भारत से गया गुजरा या अंधी गुफा है। नहीं, अफ्रीकी देश जिस तेजी से पिछले 25 वर्षों में बदले हैं वह अद्भुत है। दक्षिण अफ्रीका गोरों–कालों में सामंजस्य बना मजे से आगे बढ़ते हुए है। इसे देखना–समझना हो तो बीबीसी जैसे अंतरराष्ट्रीय टीवी चौनलों को देखा करें।

हर वैश्विक चौनल अफ्रीका पर रेगुलर प्रोग्राम लिए (भारत व दक्षिण एशिया का मतलब ही नहीं। यदि दुनिया में भारत पर कोई प्रोग्राम दिखता भी है तो मांस की दुकानों जैसे विवादों, बदहाल पर्यावरण, प्रदूषण, गरीबी, अंधविश्वास आदि, आदि पर होगा) मिलेगा। अफ्रीका में देख कर हैरानी होती है कि घाना इतना बदल रहा। केन्या, केन्याटा के वक्त से इतना आगे निकल गया। अल्जीरिया, मोरक्को की पर्यटन से इतनी भारी कमाई या दक्षिण अफ्रीका क्रिप्टोकरेंसी, वित्त, बैंक, माइनिंग में वैश्विक दबदबा बनाए हुए।

वहीं भारत? अपना भविष्य अफ्रीकी देशों के उन मॉडल की और ले जाता हुआ, जहां प्रधानमंत्री की सत्ता भूख और नस्ली–जातीय हिंसा से गृहयुद्ध अनुभव लगातार है। मैं चालीस वर्षों से जिम्बाब्वे और इथियोपिया पर गौर करते हुए हूं। जिम्बाब्वे के रोडेशिया वक्त से ले कर इथियोपिया के हेले सिलासी के समय से वर्तमान के सफर में जो बरबादी है, लोग जैसे भूखे मरते हुए जीते हैं, वह जिम्बाब्वे में केवल एक नेता की सत्ता भूख से पैदा हुई। ऐसे ही इथियोपिया में लोगों का नस्ली झगड़ों में गृहयुद्ध ऐसा पकता गया कि कभी इरिट्रिया, कभी टाइग्रे, कभी ओरोमो का सिलसिला अनवरत है।

समझ नहीं आता कि वहां के नेता और प्रजा अपने इतने प्राचीन मुल्क का करना क्या चाहते हैं? अफ्रीका के ये बरबाद देश (याकि 875 डॉलर प्रति व्यक्ति जीडीपी से लेकर दो हजार डॉलर के बीच और भारत का यथार्थ कोई दो हजार डॉलर प्रति व्यक्ति जीडीपी पर ही) भरपूर खनिज, संसाधान और प्राकृति सौंदर्य के बावजूद नेता व प्रजा की मूर्खताओं का परिणाम हैं। प्रति व्यक्ति जीडीपी के दस बॉटम अफ्रीकी देशों में बुरूंडी (771 डॉलर), सोमालिया (875 डॉलर), मध्य अफ्रीकी गणतंत्र (980 डॉलर), कांगो (1131 डॉलर), नाइजर (1263 डॉलर), मोजांबिक (1297 डॉलर), लाइबेरिया (1428 डॉलर), मालावी (1568 डॉलर), मेडागास्कर (1593 डॉलर), चाड (1603 डॉलर) नेता और प्रजा की साझा मूर्खताओं के नतीजे हैं। आबादी–आकार की कसौटी में भारत समतुल्य नाइजीरिया (2000 डॉलर) को देखें तो वह भी बरबादी के इन बेसिक कारणों में जीता हुआ है– बुद्धिहीन नेतृत्व, सत्ता की भूखी राजनीति, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, जातीय–नस्ली–धार्मिक गृह युद्ध और प्राकृतिक संसाधनों का बेतरतीब दोहन!

भारत में आम धारणा है कि अफ्रीका के सभी देश भारत से पिछड़े हुए हैं। मगर नोट रखें कि दक्षिण अफ्रीका देश की प्रति व्यक्ति जीडीपी भारत से ढाई गुणा अधिक 5,410 डॉलर है।

भारतीय मूल बहुल मॉरीशस में यह 10,230 डॉलर है तो अंगोला और घाना भी भारत से ज्यादा प्रति व्यक्ति जीडीपी लिए हुए हैं। नोटबंदी के बाद की दिशा है कि भारत अब ऊपर याकि अंगोला व घाना की तरह बढ़ता हुआ नहीं है, बल्कि आंकड़ों में खेला करते हुए भी चुपचाप खोखला होता हुआ, नीचे गिरता हुआ चाड और मालावी देशों की श्रेणी में जाता हुआ है। यदि भारत का मौजूदा चाल–चलन अगले 15–20 वर्षों में जस का तस रहा, पानीपत की तीसरी लड़ाई में बुलजोडर से खाइयां गली–मोहल्लों पहुंचती गईं तो तय मानें भारत अफ्रीका के गृहयुद्ध वाले देशों से अधिक बरबाद होगा। ऐसा पाकिस्तान और श्रीलंका में नहीं होगा क्योंकि वहां के लोग अशांत, आंदोलित और तख्ता पलटने वाला धमाल चाहे जैसा बनाएं लेकिन वे आपस में लडने और हिंदुओं की तरह अपने हाथों अपने पांवों कुल्हाड़ी मारने वाले नहीं हैं।

भारत और उसके पड़ौसी देश

वैश्विक संकट में भारत की स्थिति क्या है? जब कोई देश अपने घोषित शत्रु राष्ट्र की प्रशंसा करें, तो उससे समकक्ष की ताकत स्वतरूस्पष्ट है। कुछ दिन पहले तक पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रहे इमरान खान ने एक जनसभा को संबोधित कहा था कि भारत की विदेशी नीति स्वतंत्र है और उसके अपने लोगों के हितों से जुड़ी है। यह ठीक है कि वैश्विक कारणों से विश्व के अन्य देशों के भांति भारत में भी ...

बलबीर पुंज

दो दशकों से जिस चीन के निवेश और भारी–भरकम कर्ज ने श्रीलंका को इस स्थिति में पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई है, वह ही संकट के समय वहां से भाग खड़ा हुआ है। वैसे भी चीन अपनी अधिनायकवादी मानसिकता और मानवाधिकारों के हनन के लिए कुख्यात रहा है। ऐसे में भारत, श्रीलंका के लिए देवदूत बनकर उभरा है। आलेख लिखे जाने तक, भारत ने 40 हजार मीट्रिक टन डीजल, तो 40 हजार टन चावल की सहायता की है, तो एक अरब डॉलर की आर्थिक मदद करने का वचन भी दिया है।

हालिया वैश्विक घटनाक्रम में भारत की स्थिति क्या है? देश का एक वर्ग, जिसे हम सेकुलर–वामपंथी–जिहादी कुनबा भी कह सकते है– वह बीते कुछ वर्षों, विशेषकर मई 2014 से लगातार अपने भारत–हिंदू विरोधी विरोधी एजेंडे की पूर्ति हेतु देश को कभी श्मुसलमानों के लिए असुरक्षित्य, श्देश में भय का वातावरणय, तो श्लोकतंत्र खतरे में हैच या फिर श्नागरिक अधिकारों के हननच जैसे जुमलों को निरंतर रट रहा है। यह भी दिलचस्प है कि जिस विश्व में यह जमात देशविरोधी विषवमन कर रहा है, उसी दुनिया में उथल–पुथल मची हुई और इन्हें अब भी भारत ही सबसे अधिक श्असुरक्षित्य लग रहा है। शुरूआत अपने पड़ोसी देशों के साथ करते है। पाकिस्तान में क्या हो रहा है? यहां एक बार फिर श्जनता द्वाराच्य चुनी हुई सरकार अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाई। यह किसी से छिपा नहीं है कि पाकिस्तान के सत्ता अधिष्ठान में कट्टरपंथी मुल्ला–मौलवियों और सेना की तूती बोलती है। घोषित इस्लामी राष्ट्र पाकिस्तान में लोकतंत्र की जड़े इसलिए भी खोखली है और संभवतरू आगे भी रहेगी, क्योंकि जिस श्काफिर–कुफ्रच्य अवधारणा से प्रेरित सर सैयद अहमद खां के श्दो राष्ट्र सिद्धांतच्य ने भारत का रक्तरंजित विभाजन करके इस देश को जन्म दिया, उसके वैचारिक अधिष्ठान में ही लोकतंत्र, बहुलतावाद और पंथनिरपेक्षता का कोई स्थान नहीं है। स्वयं पाकिस्तान की स्थापना का उद्देश्य ही लोकतंत्र का विरोधाभास है। चीन का दुमछल्ला बनने की भी पाकिस्तान बड़ी कीमत चुका रहा है। राजनीतिक अस्थिरता के बीच ध्वस्त आर्थिकी ने उसके संकट को कई गुना बढ़ा दिया है। वित्तीय संकट से श्रीलंका भी जकड़ा हुआ है। श्रीलंका में आर्थिक बदहाली इतनी बढ़ गई है कि इसने लोगों के मुंह से निवाला तक छीन लिया है। इससे पैदा हुए भारी जनाक्रोश और हिंसक प्रदर्शन को नियंत्रित करने हेतु वहां के राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे ने देश पर एक अप्रैल को आपातकाल थोप दिया था, जिसे 4–5 अप्रैल की आधी रात हटा लिया गया। अधिकांश श्रीलंकाई नागरिकों को न केवल पर्याप्त विद्युत आपूर्ति मिल रही है, साथ ही उन्हें खाने–पीने, आवश्यक दवाओं और ईंधन की भारी कमी का भी सामना करना पड़ रहा है। जो वस्तुएं वहां उपयोग हेतु उपलब्ध भी है, उनकी कीमतें आसमान छू रही है। दो दशकों से जिस चीन के निवेश और भारी–भरकम कर्ज ने श्रीलंका को इस स्थिति में पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई है, वह ही संकट के समय वहां से भाग खड़ा हुआ है। वैसे भी चीन अपनी अधिनायकवादी मानसिकता और मानवाधिकारों के हनन के लिए कुख्यात रहा है। भारत सहित 17 देशों देशों के साथ चीन का सीमा विवाद, अपने ाार बनाकर देश का सेकुलर–वामपंथी–जिहादी कुनबा कई बार मोदी सरकार को कटघरे में खड़ा कर चुका है। श्रीलंका के अतिरिक्त भारत ने तालिबान शासन (खालिस शरीयत) के बाद संकट में आए अफगानिस्तान को भी बीते माह मानवीय आधार पर कई खेपों में 50 हजार टन गेहूं, 13 टन जीवनरक्षक दवाइयां, चिकित्सीय उपकरण और पांच लाख कोविड रोधी टीके की खुराकों के साथ अन्य आवश्यक वस्तुओं (ऊनी वस्त्र सहित) को भेजा था। फिर हमारे देश का एक कुनबा, वर्तमान भारतीय नेतृत्व को मुस्लिम विरोधी मानता है। क्या यह सत्य नहीं भारत ही नहीं, अपितु शेष विश्व में मुस्लिम समाज का एक वर्ग श्असुरक्षा की भावनाच्य का शिकार है, जिसकी जड़े श्काफिर–कुफ्रच्य की अवधारणा में मिलती है? बात यदि म्यांमार की करें, तो वहां गत वर्ष से सैन्य शासन है। कई संगठनों का दावा है कि 1 फरवरी 2021 को आंग सान सू की समर्थित सरकार के तख्तापलट के बाद वहां हजारों लोगों को मार दिया गया हैं, जिसमें प्रदर्शनकारियों के अतिरिक्त प्रतिरोध संघर्षकर्ता, सरकारी अधिकारी और कई नागरिक शामिल हैं। बर्मा पर सैन्य शासन को जहां चीन खुलकर समर्थन दे रहा है, वही अमेरिका के बिडेन प्रशासन ने म्यांमार में रोहिंग्या आतंकवादियों (प्रतिबंधित अराकान रोहिंग्या साल्वेशन आर्मी) के खिलाफ हुए सैन्य कार्रवाई को औपचारिक रूप से नरसंहार घोषित कर दिया है। सच तो यह है कि हाल के वर्षों में अमेरिका अपनी विरोधाभासी और दोहरी नीतियों के कारण विश्व कई संकटों का सामना कर रहा है। वर्ष 2001 से दिशाहीन आतंकवाद विरोधी वैश्विक अभियान इसका सबसे प्रत्यक्ष उदाहरण है। म्यांमारी सेना से पहले अमेरिका ने गत वर्ष बांग्लादेश के जिस प्रमुख अर्धसैनिकबल आरएबी पर प्रतिबंध लगाया था, उसने हिंदू–विरोधी दंगों पर काबू पाने के साथ इस्लामी कट्टरवाद–आतंकवाद की कमर तोडने में मुख्य भूमिका निभाई थी। रूस–यूक्रेन युद्ध से दोनों ही देश स्वाभाविक रूप से बुरी तरह प्रभावित है। इससे अबतक असीम मानवीय और आर्थिक नुकसान हो चुका है। कटु सत्य तो यह है कि यूक्रेन–रूस को इस स्थिति में पहुंचाने में प्रत्यक्ष–परोक्ष रूप से अमेरिका और उसके नेतृत्व वाला 30 सदस्यीय नाटो गठबंधन (दो अमेरिकी और 28 यूरोपीय देश) का हाथ है। यदि यह गुट अपनी रूस विरोधी मानसिकता के कारण यूक्रेन को नाटो में शामिल करने की हठ नहीं करता, तो शायद ही अपने सामरिक हितों की रक्षा हेतु रूस हमले के लिए विवश होता। इस संबंध में अमेरिका द्वारा लाख चेतावनी के बाद भी रूस ने न केवल यूक्रेन पर हमला कर दिय, अपितु कई प्रकार के सख्त आर्थिक प्रतिबंध थोपने के बाद भी अमेरिका, रूस को नहीं रोक पाया है। यह सब स्पष्ट करने हेतु पर्याप्त है कि वर्तमान समय में अमेरिका और उसके प्रभावशाली सहयोगियों की विश्वसनीयता कितनी डगमग है। किसान आंदोलन के समय भारत सरकार को श्उपदेशच्य देने वाले कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो अपने देश में ट्रक–चालकों के श्शांतिपूर्ण प्रदर्शनच्य को घोड़ों के पैरों तले कुचलने के लिए आपातकालीन शक्तियों का उपयोग पहले ही कर चुके है। फिर भी कुछ लोगों को श्भारत में ही लोकतंत्र खतरे मेंच्य दिखता है।

कार्यालय–ग्राम पंचायत–नियांव
विकास खण्ड–शोहरतगढ़ –सिद्धार्थनगर

–:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:–

वर्ष 2022–23 के लिए मनरेगा योजना/राज्य वित्त/चौदहवां /पन्द्रहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि/पंचमराज्यवित्त,पंचायत भवन/अन्तेय स्थल/विधायक निधि,सांसद निधि,गोवंश आश्रय केन्द्र व अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों की सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी,ईंट की गिट्टी, मोरंग बालू ,सादा बालू, सीमेंट ,सीमेंट ईट ,सरिया, हयूम पाइप,विद्युत के समान ,सफाई सामग्री ,पैंट ,टाइल्स, साइन बोर्ड इत्यादि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा द्वारा दिनांकः 28.04.2022 को अपराह्न 12.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न 4.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 28.04.2022 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **नियांव** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी।

नियम व शर्त :–1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा |2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्ससंलग्न करना होगा |3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा |4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थलपर करनी होगी |5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये |6.सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी |7.सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को २.२४प्रतिशत आयकर देना होगा |8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा।

11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **नियांव** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12.आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी |13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **नियांव** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/–रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा |14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तं व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **नियांव** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव
श्रीमती गीता	अजय भारतीया
ग्राम पंचायत–नियांव	ग्राम पंचायत–नियांव
वि0खंड–शोहरतगढ़	वि0 खंड–शोहरतगढ़

कार्यालय–ग्राम पंचायत–मड़वा
विकास खण्ड–शोहरतगढ़–सिद्धार्थनगर

–:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:–

वर्ष 2022–23 के लिए मनरेगा योजना/राज्य वित्त/चौदहवां /पन्द्रहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि/पंचमराज्यवित्त,पंचायत भवन/अन्तेय स्थल/विधायक निधि,सांसद निधि,गोवंश आश्रय केन्द्र व अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों की सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी,ईंट की गिट्टी, मोरंग बालू ,सादा बालू, सीमेंट ,सीमेंट ईट ,सरिया, हयूम पाइप,विद्युत के समान ,सफाई सामग्री ,पैंट ,टाइल्स, साइन बोर्ड इत्यादि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा द्वारा दिनांकः 28.04.2022 को अपराह्न 10.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न 12.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 28.04.2022 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **मड़वा** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी।

नियम व शर्त :–1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा |2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्ससंलग्न करना होगा |3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा |4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थलपर करनी होगी |5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये |6.सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी |7.सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को २.२४प्रतिशत आयकर देना होगा |8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा।

11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **मड़वा** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12.आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी |13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **मड़वा** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/–रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा |14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तं व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **मड़वा** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव
श्रीमती इन्दू	अजय भारतीया
ग्राम पंचायत–मड़वा	ग्राम पंचायत–मड़वा
वि0खंड–शोहरतगढ़	वि0 खंड–शोहरतगढ़

कार्यालय–ग्राम पंचायत–दुमदुमवा
विकास खण्ड–उसका बाजार–सिद्धार्थनगर

–:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:–

वर्ष 2022–23 के लिए मनरेगा योजना/राज्य वित्त/चौदहवां /पन्द्रहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि/पंचमराज्यवित्त,पंचायत भवन/अन्तेय स्थल/विधायक निधि,सांसद निधि,गोवंश आश्रय केन्द्र व अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों की सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी,ईंट की गिट्टी, मोरंग बालू ,सादा बालू, सीमेंट ,सीमेंट ईट ,सरिया, हयूम पाइप,विद्युत के समान ,सफाई सामग्री ,पैंट ,टाइल्स, साइन बोर्ड इत्यादि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा द्वारा दिनांकः 16.04.2022 को अपराह्न 12.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न 2.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 16.04.2022 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **दुमदुमवा** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी।

नियम व शर्त :–1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा |2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्ससंलग्न करना होगा |3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा |4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थलपर करनी होगी |5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये |6.सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी |7.सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को २.२४प्रतिशत आयकर देना होगा |8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा।

11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **दुमदुमवा** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12.आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी |13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **दुमदुमवा** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/–रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा |14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तं व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **दुमदुमवा** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव
राम सुमेर	अलका वर्मा
ग्राम पंचायत–दुमदुमवा	ग्राम पंचायत–दुमदुमवा
वि0खंड–उसका बाजार	वि0 खंड–उसका बाजार

कार्यालय–ग्राम पंचायत–कोल्हूआ द्वितीय
विकास खण्ड–उसका बाजार–सिद्धार्थनगर

–:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:–

वर्ष 2022–23 के लिए मनरेगा योजना/राज्य वित्त/चौदहवां /पन्द्रहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि/पंचमराज्यवित्त,पंचायत भवन/अन्तेय स्थल/विधायक निधि,सांसद निधि,गोवंश आश्रय केन्द्र व अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों की सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी,ईंट की गिट्टी, मोरंग बालू ,सादा बालू, सीमेंट ,सीमेंट ईट ,सरिया, हयूम पाइप,विद्युत के समान ,सफाई सामग्री ,पैंट ,टाइल्स, साइन बोर्ड इत्यादि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा द्वारा दिनांकः 25.04.2022 को अपराह्न 10.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न 11.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 25.04.2022 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **कोल्हूआ द्वितीय** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी।

नियम व शर्त :–1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा |2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्ससंलग्न करना होगा |3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा |4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थलपर करनी होगी |5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये |6.सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी |7.सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को २.२४प्रतिशत आयकर देना होगा |8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा।

11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **कोल्हूआ द्वितीय** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12.आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी |13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **कोल्हूआ द्वितीय** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/–रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा |14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तं व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **कोल्हूआ द्वितीय** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव
राजेश कुमार	मनोज कुमार
ग्राम पंचायत–कोल्हूआ द्वितीय	ग्राम पंचायत–कोल्हूआ द्वितीय
वि0खंड–उसका बाजार	वि0 खंड–उसका बाजार

कार्यालय–ग्राम पंचायत–सोहास खास
विकास खण्ड–उसका बाजार–सिद्धार्थनगर

–:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:–

वर्ष 2022–23 के लिए मनरेगा योजना/राज्य वित्त/चौदहवां /पन्द्रहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि/पंचमराज्यवित्त,पंचायत भवन/अन्तेय स्थल/विधायक निधि,सांसद निधि,गोवंश आश्रय केन्द्र व अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों की सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी,ईंट की गिट्टी, मोरंग बालू ,सादा बालू, सीमेंट ,सीमेंट ईट ,सरिया, हयूम पाइप,विद्युत के समान ,सफाई सामग्री ,पैंट ,टाइल्स, साइन बोर्ड इत्यादि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा द्वारा दिनांकः 15.04.2022 को अपराह्न 10.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न 2.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 15.04.2022 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **सोहास खास** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी।

नियम व शर्त :–1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा |2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्ससंलग्न करना होगा |3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा |4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थलपर करनी होगी |5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये |6.सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी |7.सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को २.२४प्रतिशत आयकर देना होगा |8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा।

11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **सोहास खास** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12.आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी |13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **सोहास खास** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/–रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा |14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तं व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **सोहास खास** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव
श्रीस प्रताप यादव	विजय पाल
ग्राम पंचायत–सोहास खास	ग्राम पंचायत–सोहास खास
वि0खंड–उसका बाजार	वि0 खंड–उसका बाजार

कार्यालय–ग्राम पंचायत–सोहास दरम्यानी
विकास खण्ड–उसका बाजार–सिद्धार्थनगर

–:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:–

वर्ष 2022–23 के लिए मनरेगा योजना/राज्य वित्त/चौदहवां /पन्द्रहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि/पंचमराज्यवित्त,पंचायत भवन/अन्तेय स्थल/विधायक निधि,सांसद निधि,गोवंश आश्रय केन्द्र व अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों की सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी,ईंट की गिट्टी, मोरंग बालू ,सादा बालू, सीमेंट ,सीमेंट ईट ,सरिया, हयूम पाइप,विद्युत के समान ,सफाई सामग्री ,पैंट ,टाइल्स, साइन बोर्ड इत्यादि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा द्वारा दिनांकः 15.04.2022 को अपराह्न 11.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न 2.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 15.04.2022 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **सोहास दरम्यानी** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी।

नियम व शर्त :–1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा |2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्ससंलग्न करना होगा |3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा |4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थलपर करनी होगी |5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये |6.सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी |7.सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को २.२४प्रतिशत आयकर देना होगा |8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान/सचिव/सदस्य बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा।

11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **सोहास दरम्यानी** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी |13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **सोहास दरम्यानी** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/–रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा |14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तं व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **सोहास दरम्यानी** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव
उम्मेहबीबा	विजय पाल
ग्राम पंचायत–सोहास दरम्यानी	ग्राम पंचायत–सोहास दरम्यानी
वि0खंड–उसका बाजार	वि0 खंड–उसका बाजार

कार्यालय–ग्राम पंचायत–सोहास जनूबी
विकास खण्ड–उसका बाजार–सिद्धार्थनगर

–:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:–

वर्ष 2022–23 के लिए मनरेगा योजना/राज्य वित्त/चौदहवां /पन्द्रहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि/पंचमराज्यवित्त,पंचायत भवन/अन्तेय स्थल/विधायक निधि,सांसद निधि,गोवंश आश्रय केन्द्र व अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों की सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी,ईंट की गिट्टी, मोरंग बालू ,सादा बालू, सीमेंट ,सीमेंट ईट ,सरिया, हयूम पाइप,विद्युत के समान ,सफाई सामग्री ,पैंट ,टाइल्स, साइन बोर्ड इत्यादि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा द्वारा दिनांकः 15.04.2022 को अपराह्न 12.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न 2.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 15.04.2022 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **सोहास जनूबी** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी।

नियम व शर्त :–1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा |2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्ससंलग्न करना होगा |3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा |4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थलपर करनी होगी |5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये |6.सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी |7.सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को २.२४प्रतिशत आयकर देना होगा |8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान/सचिव/सदस्य बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा।

11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **सोहास जनूबी** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12.आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी |13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **सोहास जनूबी** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/–रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा |14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तं व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **सोहास जनूबी** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव
सुरेन्द्र कुमार	विजय पाल
ग्राम पंचायत–सोहास जनूबी	ग्राम पंचायत–सोहास जनूबी
वि0खंड–उसका बाजार	वि0 खंड–उसका बाजार

कार्यालय–ग्राम पंचायत–देवलहा ग्रांट
विकास खण्ड–उसका बाजार–सिद्धार्थनगर

–:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:–

वर्ष 2022–23 के लिए मनरेगा योजना/राज्य वित्त/चौदहवां /पन्द्रहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि/पंचमराज्यवित्त,पंचायत भवन/अन्तेय स्थल/विधायक निधि,सांसद निधि,गोवंश आश्रय केन्द्र व अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों की सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी,ईंट की गिट्टी, मोरंग बालू ,सादा बालू, सीमेंट ,सीमेंट ईट ,सरिया, हयूम पाइप,विद्युत के समान ,सफाई सामग्री ,पैंट ,टाइल्स, साइन बोर्ड इत्यादि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा द्वारा दिनांकः 24.04.2022 को अपराह्न 10.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 24.04.2022 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **देवलहा ग्रांट** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी।

नियम व शर्त :–1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा |2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्ससंलग्न करना होगा |3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा |4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थलपर करनी होगी |5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये |6.सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी |7.सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को २.२४प्रतिशत आयकर देना होगा |8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान/सचिव/सदस्य बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा।

11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **देवलहा ग्रांट** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12.आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी |13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **देवलहा ग्रांट** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/–रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा |14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तं व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **देवलहा ग्रांट** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव
मोहम्मद रफीक	कृतिका पाण्डेय
ग्राम पंचायत–देवलहा ग्रांट	ग्राम पंचायत–देवलहा ग्रांट
वि0खंड–उसका बाजार	वि0 खंड–उसका बाजार

केन्द्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति के जनपद आगमन पर हुआ जोरदार स्वागत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। भारत सरकार के केन्द्रिय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति के जनपद सोनभद्र में दो दिवसीय आगमन पर भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे के नेतृत्व में जनपद की सीमा पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया तत्पश्चात् भाजपा जिला कार्यालय आयोजित बैठक में मंत्री का सभी कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। बैठक का शुभारंम्भ पं0 दीनदयाल उपाध्याय व डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर मंत्री जिलाध्यक्ष अजीत चौबे ने दीप प्रज्वलित व पुष्प अर्पित कर किया। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे व संचालन जिला महामंत्री रामसुन्दर निषाद ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए भारत सरकार के केन्द्रिय मंत्री साध्वी निरंजना ज्योति ने कहा कि इस तपती हुई धूप में गर्मजोशी से सभी कार्यकर्ताओं ने जो स्वागत किया है उसके लिए मै आप सबकी आभारी हूं भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित पार्टी है जो आज मंच पर बैठे है कल वो नीचे बैठे थे जो आज निचे बैठे है वो कल मंच पर बैठेंगे सभी विधायक पदाधिकारी एक दिन पूर्व होंगे किन्तु कार्यकर्ता कभी पूर्व नही होगा इसलिए हमे कार्यकर्ता बनकर काम करना चाहिए भारतीय जनता पार्टी का गठन सत्ता के लिए नही सेवा के लिए हुआ है डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी का राष्ट्रवाद व पं0 दीनदयाल उपाध्याय की अन्त्योदय की विचारधारा को लेकर संगठन काम कर रहा है हमारी पार्टी गांव गरीब किसान और मजदूरो को समर्पित है गरीबो को समर्पित भारतीय जनता पार्टी सरकार ने गरीबों को बिजली पानी मकान राशन जैसी आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराने का काम किया। अंतिम व्यक्ति तक विकास कि को मजबूत करने का काम

जिसके परिणाम स्वरुप इन्ही लोगो ने 2022 के विधानसभा चुनाव में दिल खोलकर पार्टी को वोट किया एक ओर जहां चार बेटे अपने माता पिता को दो रोटी नही दे पाते वही प्रधानमंत्री 80 करोड लोगो तक राशन पहुंचाने का काम किया तथा 3 करोड के लगभग मकान भी उपलब्ध कराये समाज के किरण नरेन्द्र मोदी की सरकार में पहुंचाने का काम किया यह परिवारवादी पार्टी नही है जितना हक मेरा और प्रधानमंत्री का है उतना ही हक गांव मे बैठे एक एक सम्मानित नागरिको का भी है, आप सब बधाई के पात्र है कि आपने अपने जनपद की चारो विधानसभा सीटों को जीतकर भारतीय जनता पार्टी किया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे ने मंत्री समेत सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ व अंगवस्त्र भेंटकर स्वागत अभिनन्दन करते हुए आये हुए सभी कार्यकर्ता पदाधिकारियों को आभार प्रकट करते हुए कार्यक्रम की समापन की घोषणा की। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद रामशकल राज्यमंत्री संजीव गोंड विधायक घोरावल अनिल कुमार मौर्य, सदर विधायक भूपेश चौबे, दुद्धी विधायक रामदुलारे गोंड, ब्लॉक प्रमुख व अनुसूचित मोर्चा क्षेत्रीय अध्यक्ष अजीत रावत, ब्लॉक प्रमुख घोरावल दीपक पटेल, ब्लॉक प्रमुख करमा सीमा कोल, चोपन प्रमुख लीला देवी गोंड, जिला महामंत्री कृष्णमुरारी गुप्ता, जीत सिंह खरवार, अमरनाथ पटेल, जिला मंत्री संतोष शुक्ला, अनूप तिवारी, शंम्भूनारायण सिंह, कैलास बैसवार, कन्हैया जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष रंजना सिंह, अशोक कुमार मौर्य, उदयनाथ मौर्य, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष विशाल पाण्डेय, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष पुष्पा सिंह, जिला महामंत्री युवा मोर्चा विनय श्रीवास्तव, रजनीश रघुवंशी, गुडिया त्रिपाठी सहित आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिला तरणताल में खिलाड़ियों का पंजीकरण शुरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद मुख्यालय पर स्थित राजकीय तरणताल में 11 अप्रैल से पंजीकरण प्रारंभ कर दिया गया है जिला क्रीड़ा अधिकारी ने बताया कि जो भी व्यक्ति राजकीय तरणताल में तैराकी करना चाहता है वह किसी भी कार्य दिवस में जिला स्टेडियम में आकर अपना पंजीकरण करवा सकता है पंजीकरण फार्म का शुल्क रू0 20 रखा गया है तथा 18 वर्ष से कम आयु के लिए 300 एंव 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लिए रू0 600 प्रति माह पंजीकरण शुल्क रखा गया है साथ ही पंजीकरण कराने के लिए दो पासपोर्ट साइज फोटो लाना अनिवार्य होगा। तैराकी केवल स्विमिंग कॉस्टयूम में आकर ही कर सकते हैं खिलाड़ी कभी भी आकर अपना पंजीकरण करा लें।

एंबुलेंस में ही हुआ स्वस्थ बच्चा

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका/सिद्धार्थनगर। एंबुलेंस में हुआ स्वस्थ बच्चा उसका

बाजार के ग्राम पंचायत मुडिला में एक औरत को एंबुलेंस में ही प्रसव हो गया और बच्चा स्वस्थ हुआ ईएमटी नीरज कुमार और पायलट जितेंद्र जायसवाल के द्वारा सुरक्षित प्रसव कराया गया सामुदायिक स्वास्थ केंद्र उसका बाजार में सुरक्षित पहुंचाया गया।

क्षेत्र की जनता के लिए समर्पित रहूंगा: विनय वर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ के पीपीएस पब्लिक स्कूल प्रांगण में 2 दिवसीय वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक विनय वर्मा व विशिष्ट अतिथि के रूप में शिवपति इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य डॉ नलिनीकांत मणि त्रिपाठी, नगर अध्यक्ष प्रतिनिधि सौरभ गुप्ता, शिक्षक नेता रामबिलास यादव, शिव कुमार अग्रवाल, त्रिलोकी नाथ पाण्डेय, प्रो रघुराज त्रिपाठी, डॉ वीके मधुकर, गोविंदलाल गुप्ता, नंदलाल वर्मा, सोनू निगम, वीके वर्मा, शिक्षक अपूर्व श्रीवास्तव ने स्कूली बच्चों के परफार्मेंस की

- **पीपीएस महोत्सव में स्कूली बच्चों ने दिखाई अपनी प्रतिभा, लोगों ने की सराहना**
- **कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे विधायक विनय वर्मा**

सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी। मुख्य अतिथि के रूप में विधायक विनय ने कहा कि क्षेत्र की सेवा और विकास के लिए मैं आया हूँ, जहाँ मेरी जरूरत लोगों को पड़ेगी, मैं तैयार रहूंगा। इस दौरान स्कूली बच्चों ने फूल वर्षा कर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। स्कूल के प्रबंधक पटेश्वरी प्रसाद श्रीवास्तव ने कार्यक्रम में आये मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में पहुँचे ग्राम प्रधान वीरेंद्र जायसवाल, राजेश कुमार गुप्ता, गुड्डू चौधरी, विजय कुमार गुप्ता, घनश्याम गुप्ता ने यशोमती मैया से बोली नन्दलाला, राधा क्यों गोरी मैं क्यों कला... के साथ रिकार्डिंग डॉन्स व नाट्यरूपांतरण की प्रतिभा की खूब सराहना की। कार्यक्रम के आयोजन मे पीपीएस स्कूल के समस्त स्टाफ की भूमिका अहम रही। कार्यक्रम का संचालन संजीत कुमार, जयश्री श्रीवास्तव, मुस्कान श्रीवास्तव ने किया।

दिव्यांगजनो को मिला अगरबत्ती बनाने का प्रशिक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

नौतनवां। ग्राम सभा छपवा नौतनवां महराजगंज में प्रयास

कार्यक्रम के अन्तर्गत दिव्यांग जनो की आर्थिक स्थिति एवं मबर्धन हेतु अगरबत्ती का प्रशिक्षण दिया गया एवं पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति के प्रोग्राम मैनेजर अब्दुल हमीद द्वारा बताया गया की जो भी हमारे दिव्यांग भाई एवं बहन है उनके रोजगार से जोड़कर बाकलांग सर्टिफिकेट, यू डी आई डी कार्ड सहायक उपकरण का लाभ दिलाया जाए इसके उपरांत सुगम कर्ता कृष्ण कुमार के द्वारा बताया गया की जो ड्राफ आउट दिव्यांग भाई एवं बहन है उनके अभिभावकों से मिलकर उनका नामांकन कराया जाए जिससे उन सभी लोगों का सर्वांगीण विकास हो और अगर बत्ती का रोजगार करते हुए समाज के मुख्य धारा से जुड़े, उपस्थित सुनील, रेनू, प्रिया, गीता, शकुन्तला, माधुरी, शिला, रीना, सुशिला जैसे दर्जनों भाई एवं बहन उपस्थित रहे।

संकुल शिक्षक की बैठक हुई आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला/गोरखपुर। कक्षा एक के बच्चों को निपुण भारत कार्यक्रम

के द्वारा निर्धारित माड्यूल से ही पढ़ाएं। साथ ही साथ गतिविधि आधारित कक्षा के माहौल को रुचिकर बनाए। सभी शिक्षक निर्धारित मिशन प्रेरणा को सफल बनाने के लिए मिशन प्रेरणा से सम्बन्धित सारे कार्य करते हुए समय सारिणी का प्रयोग जरूर करें। अपने–अपने विद्यालय को प्रेरक बनाते हुए अपने ब्लाक गोला को भी प्रेरक ब्लाक बनाने के लिए अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें। उक्त बातें मंगलवार को ए आर पी गोला रामनयन शुक्ल ने गोला ब्लॉक के न्याय पंचायत नीबी दूबे प्राथमिक विद्यालय कोड़ार उर्फ बघोर नवीन में आयोजित शिक्षक संकुल बैठक में कही। संकुल शिक्षक हरे कृष्ण दुबे द्वारा डी०बी०टी० पर विस्तार पूर्वक चर्चा किया गया और नवीन नामांकन के बारे में जानकारी दी गई। शिक्षक संकुल अमृतांश ओझा द्वारा समय–सारिणी पर विस्तार पूर्वक बताया गया तथा योगेश मौर्या द्वारा स्वच्छता विद्यालय पुरस्कार और उपेंद्र यादव द्वारा तम्बाकू निषेधा अभियान के लिंक को शत प्रतिशत पूर्ण करने की बात कही। बैठक के समापन के पर कोड़ार उर्फ बघोर नवीन के प्रधानाध्यापक रवीन्द्र नाथ यादव द्वारा सभी शिक्षकों का आभार व्यक्त किया गया। बैठक में शिक्षक उपेंद्र दुबे, कुमैल असरफ, मालती देवी, मिथिलेश राय, विनोद सिंह, रमेश कुमार, सुशील तिवारी, अमित गुप्ता, अरविन्द पटेल, राजेंद्र कुमार, राजेश कुमार, संगीता देवी, रत्ना यादव, सरिता राय आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

ग्रामीण के शिकायत पर चार माह से चल रही कोटे की जांच पूर्ण

तीन सदस्यी टीम ने लगाई रिपोर्ट, एसडीएम किया सस्पेंड

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। जनपद के खजनी तहसील क्षेत्र ग्राम सभा चरनाद में राशन अनियमियता व फर्जी यूनिट बढा कर कोटेदार द्वारा राशन डकारने का मामला सामने आया था। जिसको लेकर गांव से तमाम लोगो ने बिरोध करते हुए आवाज उठाया था। उक्त गांव के रमाशंकर त्रिपाठी, मेवालाल, कुलदीप द्वारा लिखित शिकायत सम्बन्धित अधिकारी को दी गयी थी। जिसको लेकर उच्चाधिकारी के दखल पर तीन सदस्यी जांच कमेटी बैठाई गयी। लम्बे जांच के बाद शिकायत सही पाया गया, तीन सदस्यी टीम द्वारा रिपोट तहसील अधिकारी को भेज दिया गया। रिपोर्ट के आधार पर एसडीएम खजनी ने कोटे को निलंबित कर दिया गया। मामला खजनी तहसील क्षेत्र ग्राम सभा चरनाद ग्राम सभा है, जहां कई बर्षो से कोटेदार विमला शुक्ला पर राशन वितरण, यूनिक का फर्जीवाड़ा राशन धांधली करने के आरोप लगाए गए। राशन घोटाला को लेकर गांव बिरोध पर आगे आया। ग्रमीण लिखित शिकायत उच्चाधिकारी के पास किये। जिसपर तीन सदस्यी टीम को जांच सौंपी गई । जिसमे बीडीओ खजनी सीडीपीओ खजनी एसडीआई को जांच के आदेश दिए गए। लम्बे दिनों तक कोटे की जांच चली जिजमे तमाम प्रकार के अनियमियता मिला ,जैसे 7 मार्च को दुकान बंद पाया जाना, साइन बोर्ड दर स्टाक बोर्ड सुची अंत्योदय, पात्र गृहस्ती के सूची पारदर्शिता नही थी। जांच अधिकारी को स्टाक रजिस्टर व ई पॉस मशीन उवलब्ध नही कराई गई, अंत्योदय कार्ड धारक बबिता पत्नी महेंद्र, यशोदा पत्नी शिवराम कलावती पत्नी प्रभु का आरोप था उचित दर बिक्रेता के पुत्र का व्यवहार बहुत खराब है, ई पॉस मशीन पर अंगूठा लगवाने के बाद तुरन्त राशन नही दिया जाता। इसी प्रकार जांच में कई खामियां सामने आई। तीन सदस्यी जांच टीम ने अपनी रिपोट एसडीएम को भेजा जिसपर तत्काल प्रभाव उचित दर बिक्रेता को निलंबित कर दिया गया। एसडीएम खजनी पवन कुमार ने बताया, जांच सौंपी गई थी, जांच रिपोर्ट में आरोप सही पाया गया। उसके बाद उचित दर बिक्रेता को निलंबित कर दिया गया है।

पक्षियों की आस बुझा रहे भूख और प्यास मनोज कुमार दीक्षित

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। युवा कल्याण विभाग के सहयोगी संगठन युवक मंगल दल के द्वारा करमा ब्लाक के गडईगाड ग्राम पंचायत में पक्षियों के लिए भोजन व पानी का प्रबंध पेड़ में कसोरा बाँधकर किया गया। युवक मंगल दल के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष मनोज कुमार दीक्षित ने बताया कि संगठन के जिलाध्यक्ष सौरभकान्त पति तिवारी के द्वारा अपने गृह ग्राम पंचायत देवरी खुर्द से इस अभियान का शुभारंभ किया गया उसी के तर्ज पर आज गडईगाड़ ग्राम पंचायत में पक्षियों के लिए दाना पानी रखा गया। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में तापमान की स्थिति देखने से यह प्रतीत होता है पिछले वर्षों की अपेक्षा इस वर्ष भीषण गर्मी पड़ रहा है। जिसमे मानव जीवन पानी के आभाव में अस्त व्यस्त होता हुआ नजर आ रहा है। ऐसे में बेजुबान पक्षियों को दाना पानी का व्यवस्था करना अनाथ बच्चों की सेवा से कम नही है। वही युवक मंगल दल करमा के सचिव आलोक तिवारी व सामाजिक कार्यकर्ता दशमी पटेल ने बताया कि अपना पेट तो हर कोई भर लेता है लेकिन जो दूसरों के लिए जीता हो वही सच्चा इंसान होता है। इस मौके पर मनोज पटेल, सुरेश पटेल, सर्वदेव, रमेश, कमला यादव, रमन पाण्डेय, नितेश दुबे, राजाराम पाल, दीनानाथ यादव, रविशंकर मौर्या, लक्ष्मण, गोविन्द, संजय मौर्या, इत्यादि लोग मौजूद रहे।

बलिया में हुए पत्रकार उत्पीड़न के विरोध में ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला/गोरखपुर। गोरखपुर जनपद के गोला तहसील में

सोमवार को बलिया में हुए पत्रकार उत्पीड़न के विरोध में पूर्वांचल पत्रकार एसोशिएशन द्वारा राष्ट्रपति महोदय को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार गोला सुनीता गुप्ता को सौंपा। विदीत हो कि यूपी बोर्ड के परीक्षा के दौरान बलिया जिला प्रशासन द्वारा अंग्रेजी इंटर का पेपर आउट होने के मामले में जिला प्रशासन अपनी कमियों को छिपाने के लिए खबर प्रकाशित करने वाले पत्रकार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। पूरे प्रदेश में पत्रकार संगठनों ने विरोध प्रदर्शन व्यक्त किया है इसी क्रम में पी पी ए ने सभी तहसीलों में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर राजेश शर्मा, चन्द्रभान तिवारी, घनश्याम कसौधन, राकेश यादव, जेपी कुशवाहा, राजकुमार यादव, बृजभूषण दुबे, बसंत यादव, कृष्ण कुमार गोंड सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

देव तुल्य कार्यकर्ताओं को मिला सम्मान : आकाश अग्रवाल बजरंगी

सीतापुर। विधानसभा सीतापुर को जीतने में प्रमुख भूमिका निभाने वाले भाजपा के बूथ अध्यक्षों, नगर के सभासदों सेक्टर संयोजक व प्रभारियों नगर कार्यकारिणी के सदस्यों व विधानसभा के मंडल अध्यक्षों को धन्यवाद ज्ञापित करने के उद्देश्य से सीतापुर नगर अध्यक्ष आकाश अग्रवाल बजरंगी द्वारा देव तुल्य कार्यकर्ता सम्मान समारोह का आयोजन अहमद नगर स्थित श्री कृष्णा कॉलेज के सभागार में किया। जिसमें मुख्य अतिथि सांसद राजेश वर्मा, विशिष्ट अतिथि राज्यमंत्री राकेश राठौर गुरु, जिलाध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा, विधानसभा सभा संयोजक भंवर सिंह व विधानसभा विस्तारक अभिषेक ने कार्यकर्ताओं को पटका पहनाकर एवं कमल चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने सांसद एवं मंत्री को चांदी का मुकुट पहनाकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सांसद राजेश वर्मा ने कहा कि बूथ स्तर के कार्यकर्ता नीव की ईट के समान होते हैं। इनको सबसे मजबूत होना ही चाहिए। पिता का सम्मान ही हमारी प्राथमिकता रही है और रहेगी नगर राज्य मंत्री राकेश राठौर गुरु ने अपने अनुभव साझा करते हुए कार्यकर्ताओं से कहा मुझ जैसे छोटे कार्यकर्ताओं को संगठन ने विधायक व मंत्री बनाया है। अब प्रत्येक कार्यकर्ता अपने आपको विधायक मान कर जन कल्याण करें। अचिन मेहरोत्रा ने कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए उनसे भविष्य में भी इसी प्रकार से पार्टी का झंडा बुलंद करने में अपना योगदान देने का संकल्प कराया। कार्यक्रम में संदीप अवस्थी, श्रवण शुक्ला, महेश वर्मा, श्रेयांश सिंह, कुसुम सिंह, ओम प्रकाश शर्मा, नागेंद्र बाल्मीकि, सीमा जैन, संजय लोधी, विक्रम सिंह, विजय जायसवाल, कुक्की दीपक शुक्ला, देवेंद्र मिश्रा, भोला सुमित मिश्रा, अपूर्व अग्रवाल, शिवांश मिश्रा, सुरेश कनोजिया, राजवीर बाल्मीकि, तेजवानी जितेंद्र रस्तोगी, शुभम गुप्ता पल्लव, शैलेंद्र मिश्रा भड़काऊ, सभासद संजय मिश्रा, इंदू सिंह चौहान, लालता प्रसाद, शैलेश महेंद्र, राजेंद्र प्रसाद मिश्रा, झंकार नाथ शुक्ला, अमित वाधवानी, विवेक श्रीवास्तव, सौरभ रस्तोगी, पवन शुक्ला, देवेश मिश्रा, हर्षित अवस्थी आदि सहित लगभग 200 कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया।

अन्नपूर्णा साहित्य संगम के बैनर तले हुई साप्ताहिक काव्य गोष्ठी

सीतापुर। अन्नपूर्णा साहित्य संगम ने साप्ताहिक काव्य गोष्ठी के अनवरत क्रम को जारी रखते हुए काव्य गोष्ठी का आयोजन किया। सरस्वती संगीत महाविद्यालय के सभागार में आयोजित काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता साहित्य संगम के वरिष्ठ उपाध्यक्ष महफूज रहमानी ने की। संचालन राम किशोर श्रीवास्तव के द्वारा किया गया। अन्नपूर्णा सेवा संस्थान अध्यक्ष नवीन द्विवेदी संरक्षक के तौर पर उपस्थित रहे। गीता श्रीवास्तव की वाणी वंदना से आरंभ हुई। काव्य गोष्ठी में महफूज रहमानी, केपी मिश्रा, यासीन इब्ने उमर, राजकुमार श्रीवास्तव, शिव प्रताप सिंह चौहान, राम किशोर श्रीवास्तव, नफीस सीतापुरी, कन्हैया लाल शुक्ल, रियाजुद्दीन रियाज, गीता श्रीवास्तव, आलोक कुमार, मालती देवी, सूरज सीतापुरी व सुधांशु त्रिवेदी आदि ने रचना पाठ कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर अध्यक्ष नवीन द्विवेदी ने कहा कि संस्थान संस्थापक अनिल द्विवेदी को हम सब से बिछड़े एक वर्ष बीत गया है लेकिन उनके द्वारा लगाया गया साहित्यिक वट वृक्ष आज भी पल्लवित व पुष्पित हो रहा है। हम सब मिल कर इसी प्रकार समाज व साहित्य की सेवा करके उनके इस कारवाँ को आगे बढ़ाते रहेंगे। अध्यक्षता कर रहे महफूज रहमानी ने सुनाया नसीब देखो ना मालो जर देखो, सवारी करते हैं कुत्ते भी कार पर देखो। के0पी0 मिश्र ने कहा मैं तौ आगेकि लगन मईहांए बयाहब अपनौ लाल। राजकुमार श्रीवास्तव ने कहा लूट लुटाई हो रही लूटो लूटो लूट,

समय निकलता जा रहा लूट न जाए छूट। यासीन इब्ने उमर ने सुनाया चलो पाठशाला चलो पाठशाला, भरो ज्ञान का खूब मन में उजाला। राम किशोर श्रीवास्तव ने कहा जन्म लिया भारत में मैंने, भारत का लाल कहता हूं। गीता श्रीवास्तव ने कहा मेरा रूप सिंगार तुम ही हो, जीवन का आधार तुम ही हो। आलोक कुमार ने कहा आया बसंत आया बसंत, मेरे मन को भाया बसंत। सूरज सीतापुरी ने सुनाया मेरा नमन है मेरे चमन को, यह स्वप्न सावन भर हरा भरा है।

14 मई को राष्ट्रीय लोग अदालक का आयोजन

सीतापुर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देश के अनुपालन में जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार सुदेश कुमारी, न्यायाधीश सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा यह जानकारी दी गयी कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 14 मई दिन शनिवार को जनपद न्यायालय प्रांगण सीतापुर में तथा जनपद के समस्त बाह्य न्यायालय व समस्त तहसील स्तर में किया जा रहा है। जिसमें वादकारी तथा अधिवक्तागण कोविड.19 के सम्बन्ध में जारी दिशा निर्देशों का पालन करते हुएए समस्त निस्तारित योग्य वादों का निस्तारण करा सकेगें। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव न्यायाधीश, सुदेश कुमारी द्वारा जनपद न्यायाधीश कुलदीप कुमार द्वितीय के निर्देशानुसार बताया गया कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक शमनीय वाद, धारा. 138 पराक्रम्य लिखित अधिनियम, बैंक वसूली वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकाएं, पारिवारिक विवाद, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण वाद, विद्युत एवं जल बिल विवाद, राजस्व सम्बन्धी वाद, अन्य सिविल वाद किराया सुखाधिकार व्ययादेश, विशिष्ट अनुतोष वाद, बैंक के प्रीलिटिगेशन विवाद व अन्य सम्यक विवादों को सुलह समझौते के आधार पर निस्तारण कराया जा सकता है। समस्त विद्वान अधिवक्तागण एवं वादकारीगण अपने मामलों को सम्बन्धित न्यायालय में प्रार्थना पत्र के माध्यम से लगवाकर राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारण करवाकर लाभ उठा सकते है। जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुलदीप कुमार द्वितीय द्वारा बताया कि उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में शासन द्वारा जारी कोविड.19 से सम्बन्धि समस्त गाइड लाइन्स का अक्षरसरू पालन किया जायेगा तथा राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाया जायेगा।

अतिक्रमण अभियान के विरोध में सौंपा ज्ञापन

जौनपुर। व्यापार मण्डल के जिलाध्यक्ष श्रवण जायसवाल की अगुवाई में अतिक्रमण विरोधी अभियान के विरोध में पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा को ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष श्रवण जायसवाल ने कहा कि इस समय त्योहार और लगन को देखते हुए इस मुहिम को रोका जाय।

कोरोनाकाल में व्यापारियों की माली हालत काफी बिगड़ चुकी है जिससे व्यापार काफी प्रभावित हो चुका है। उन्होंने राजस्व टीम पर आरोप लगाते हुए कहा कि अधिकारी व कर्मचारी पूर्व में किये गये नाप व मौजूदा नाप में बहुत बड़ा अंतर आ रहा है, इसलिये मानक के अनुरूप नक्शे से नाप करायी जाय। ताकि लोगों में जो भ्रम पैदा है, उस भ्रम की स्थिति को खत्म किया जा सके। उन्होंने कहा कि व्यापार मण्डल शहर के सुंदरीकरण और यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाये जाने के लिये सहयोगात्मक रवैया रखता है। अनायास, अकारण व्यापारियों और शहर के लोगों को परेशान न किया जाय। इस अतिक्रमण विरोधी अभियान को रोका जाय। नगर अध्यक्ष अनवारूल हक गुड्डू, जिला युवा अध्यक्ष संजीव साहू, नगर महामंत्री अमरनाथ मोदनवाल, जिला संगठन मंत्री शशि श्रीवास्तव सभासद, बबलू खरवार, कृष्ण कुमार यादव सभासद, डा. हसीन बबलू सभासद, शकील मंसूरी, अजमत सहित तमाम व्यापारी मौजूद रहे।

बच्चों ने निकाली स्कूल चलो अभियान की रैली

जौनपुर। स्कूल चलो अभियान के तहत ग्रामवासियों व अभिभावकों में जागरूकता के लिए कम्पोजिट विद्यालय तारा(उमरी) मुफ्तीगंज के प्रधानाध्यापक राजेश सिंह के नेतृत्व में विद्यालय के शिक्षक एंव बच्चों ने हाथों में स्कूल चलो अभियान के स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर, प्रेरक नारों के साथ रैली निकाली। ग्रामप्रधान तार जयप्रकाश सिंह ने विद्यालय प्रांगण से झंडा दिखाकर रैली को रवाना किया। प्रधानाध्यापक राजेश सिंह ने बताया कि वर्तमान में विद्यालय में बच्चों की संख्या तीन सौ से अधिक है, हमारा प्रयास है कि इस वर्ष नामांकन पिछले वर्ष से अधिक हो और ग्रामसभा का छः वर्ष से 14 वर्ष के बीच का कोई भी बच्चा नामांकन से वंचित न रह पाए। साथ ही बताया कि विद्यालय कायाकल्प योजना से पूर्ण रूप से संतृप्त है।

ग्रामीण क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र व्यक्तियों का चिन्हांकन शुरू

हरदोई। प्रधानमंत्री की मंशा है हर परिवार हीन को एक अदद छत मुहैया कराना है। जिसके तहत ग्राम सभाओं में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण पात्रता सूची में 2011 में छूटे परिवारों की पात्रता सूची तैयार होनी थी, लेकिन विभागीय अधिकारियों की खाऊ कमाऊ नीति के चलते पात्रता सूची में जमकर अनियमितताएं बरती गई थी। जिससे काफी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित हो गए थे, आज भी खुले आसमान के नीचे त्रिपाल डाल कर लोग जीवन यापन करने को विवश हैं। इसलिए शासन ने पुनः ग्रामीण क्षेत्र में पात्र परिवारों का चिन्हांकन रजिस्टर बना लिया जाए, जिसमें लाभार्थी का नाम, जाति,आधार कार्ड,जॉब कार्ड संख्या व मोबाइल नंबर दर्ज किया जाए। जिससे भविष्य में आवंटित लक्ष्य के अनुसार पात्र व्यक्तियों को योजना का लाभ दिया जा सके। पूरी पारदर्शिता का पालन किया जाए। शासन ने मुख्यमंत्री शिकायत नम्बर 1076 जारी किया है। कोई व्यक्ति ग्राम प्रधान, सचिव, दलाल, आवास दिलाने के नाम पर घूस मांगे तो दिए गए नंबर पर शिकायत दर्ज कराएं।

भाजपा ने मनाया महात्मा ज्योतिराव फुले का जन्म दिन

हरदोई। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष के निर्देशानुसार आज 11 अप्रैल 2022 को महात्मा ज्योतिराव फुले के जन्म दिन के अवसर पर हरदोई सदर विधान सभा में बावन विकास खण्ड के प्राथमिक विद्यालय बदरुद्दीनपुर में भाजपा अनुसूचित मोर्चा ,हरदोई द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें अनुसूचित मोर्चा के जिलाध्यक्ष महिपाल गौतम ने विद्यालय में पढ़ रहे छात्र –छात्राओं को महात्मा ज्योतिराव फुले के जीवन संघर्ष पर विस्तार से बताया,साथ ही प्रथम शिक्षिका माता सावित्री बाई फुले के बारे भी बताया। भाजपा अनुसूचित मोर्चा जिला कार्यकारिणी के सदस्य विक्रम लाल वर्मा ने जिलाध्यक्ष महिपाल गौतम के साथ बच्चों को कॉपी और पेंसिलें भी वितरित की।इस मौके पर विद्यालय की प्रधानाध्यापक लक्ष्मी तिवारी,सारिका शर्मा,कल्पना शुक्ला ,नीरज सिंह तथा ग्रामीण जन मौजूद रहे।

जेसीबी से दीवार गिराई, विरोध पर की छेड़छाड़

कानपुर। नौबस्ता में दबंगों ने जेसीबी से मकान की दीवार गिरा दी। महिला ने इसका विरोध किया तो आरोपितों ने छेड़छाड़ की। पीड़िता ने आरोपितों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। नौबस्ता खाड़ेपुर निवासी महिला ने बताया कि शनिवार शाम शिब्बू सिंह कछवाहा और ऋषभ सिंह समेत कई लोग आए थे। आरोप है कि उन्होंने जेसीबी से उसके मकान की दीवार गिरा दी। इस दौरान उसके ससुर भी घायल हो गए। उसने इसका विरोध किया तो शिब्बू सिंह ने छेड़छाड़ की। इंस्पेक्टर रत्नेश सिंह ने बताया कि महिला की तहरीर पर शिब्बू सिंह कछवाहा और ऋषभ सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

गर्मी की तपन से बदन झुलसा, पारा 41 डिग्री पार

गर्मी से पूरा दिन बेहाल रहे लोग, 2016 के बाद इस वर्ष शुरू हुई रिकार्डतोड़ गर्मी

उन्नाव, हाय गर्मी, पारा 41 डिग्री के ऊपर। हर तरफ गर्मी का उबाल। धरती तपने लगी। अब सूर्य की किरणें ज्वाला बन चली हैं। वे अप्रैल में ही जेठ का एहसास करा रही हैं। इसकी पुष्टि अधिकतम तापमान के 42 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचने से भी की जा सकती है। प्रचंड गर्मी को लू भी असहनीय बना रही है। वहीं मौसम विभाग ने अगले अगले तीन दिनों तक तेज हवा लू चलने की चेतावनी जारी की है।

मार्च में रिकार्ड तोड़ गर्मी के बाद अब अप्रैल में भी जारी भीषण गर्मी का क्रम बरकरार है। सुबह 10 बजते–बजते सूर्य किरणें शरीर को झुलसाती महसूस हो रही हैं। शनिवार दोपहर 12 बजे ही पारा 39 डिग्री के पार पहुंच गया था। दोपहर दो बजने तक अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह सामान्य से 5 डिग्री ज्यादा है। हालांकि बीते शुक्रवार के मुकाबले 0.8 डिग्री उछाल देखने को मिला। न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री ज्यादा रहते हुए 24 डिग्री सेल्सियस रहा। दोपहर के वक्त हवा की रफ्तार भी अधिक रही। जिससे गर्मी के थपेड़ों से आम जन परेशान रहा। मौसम विभाग के अधिकारियों के अनुसार भयंकर लू शुरू हो गयी है। गर्मी आगे और बढ़ेगी। कई वर्षो बाद इस साल की गर्मी रिकॉर्डतोड़ रही है। कूलर खस की सजने लगी दुकानें तेज गर्मी की आहट मिलते ही नगर के चौक चौराहों में कूलर खस की दुकाने सजने लगी है। वहीं इलेक्ट्रॉनिक दुकानों में नए कूलर व पुराने कूलर के पार्ट्स व खस की बिक्री बढ़ गई है। पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष इनकी कीमत में बढ़ोत्तरी हुई है। इन दिनों पुराने कूलर की मरम्मत का कार्य अधिकांश घरों में किया जा रहा है। कूलर में खस और उड़न की नई पट्टी लगवाने का कार्य भी शुरू हो गया। शहर के विभिन्न स्थानों में खस और उड़न की पट्टी बेच रहे कारीगरों के पास लोग इसे खरीदने व कूलर की खस लगवाने पहुंच रहे।

एसपी राजेश द्विवेदी ने बैंकों की सुरक्षा व्यवस्था का किया मुआयना

हरदोई। पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी द्वारा सप्ताह के प्रथम दिन हरदोई शहर में स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए निरीक्षण किया। श्री द्विवेदी ने हमराही फोर्स के साथ बैंक के अंदर व बाहर संदिग्ध व्यक्ति व वाहन की चेकिंग की गई।बैंक में सीसीटीवी व सायरन चेक कर बैंक कर्मियों तथा गार्ड्स को सुरक्षा हेतु आवश्यक दिशा– निर्देश दिए गए।

दहेज की मांग पूरी न होने पर तीन तलाक देकर घर से निकाला

कानपुर। ग्वालटोली निवासी शहाना परवीन ने पुलिस को तहरीर दी। बताया,2013 में निकाह कर्नलगंज निवासी अब्दुल अबूजर से हुआ था। पति व ससुरालीजनों ने दहेज के लिए प्रताड़ित किया तो एक मुकदमा दर्ज कराया था। दस दिन पूर्व पति,सास कमरुन निशा,ससुर अब्दुल मजीद,अब्दुल साजिद जेठ,ननद सबिया खातून ने दहेज की मांग पूरी न होने पर तीन तलाक देकर घर से निकाल दिया। वहीं, कर्नलगंज छोटे मियां हाता निवासी अनम फातिमा का निकाह पिछले साल जुलाई माह में जूही लाल कॉलोनी के मो. इकराम संग हुआ था। अनम का कहना है कि निकाह के कुछ दिनों बाद ही पति व ससुरालीजन दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। अनम का आरोप है कि पति ने फोन पर उसे तीन तलाक दे दिया।

13 अप्रैल को आयोजित होगा रोजगार मेला

फिरोजाबाद। प्रभारी जिला रोजगार सहायता अधिकारी खुशबु शाक्य ने सूचित किया है कि जिला सेवायोजन कार्यालय, के तत्वाधान में 13 अप्रैल को आनलाइन रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले में देश–प्रदेश की विभिन्न कम्पनियां प्रतिभाग करेंगी। उक्त रोजगार मेले में भाग लेने के लिये सेवायोजन विभाग के वेब पोर्टल ँ॑ .|ल्व्श्र |छ.न्द्र.छप्.प्छ एवं छ्रै.ळव्ट.प्छ पर बेरोजगार अभ्यर्थियों को आनलाइन पंजीयन कराना अनिवार्य होगा तथा पंजीकृत अभ्यर्थियों को विभाग के ँ॑ .|ल्व्श्र |छ.न्द्र.छप्.प्छ पोर्टल एवं छ्रै.ळव्ट.प्छ पोर्टल पर 12 अप्रैल की सायंकाल तक योग्यता व पदानुसार आवेदन करना होगा। उन्होने बताया कि उक्त मेला पूर्ण रूप से आनलाइन प्रक्रिया द्वारा आयोजित किया जा रहा है इसलिये किसी भी अभ्यर्थी को कार्यालय नहीं आना है। नियोजक आवेदित अभ्यर्थियों का दूरभाष, वीडियो कान्फ्रेंस, जूम एप आदि के द्वारा साक्षात्कार कर चयन कार्यवाही सम्पादित करेंगें। उन्होने यह भी बताया कि कार्यालय द्वारा आयोजित रोजगार मेला पूर्णतः निःशुल्क होता है। यदि किसी नियोजक द्वारा धनराशि की मांग की जाती है तो उसकी शिकायत कार्यालय को दें। यदि किसी भी अभ्यर्थी द्वारा किसी प्रकार का शुल्क दिया जाता है तो उसके लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

परीक्षार्थियों के हथेली की चेकिंग कर दी चेतावनी

जौनपुर। पुराने समय को याद करते हुए टीडी कॉलेज में हर किसी की जुबान पर प्राचार्य हृदय नारायण सिंह का नाम अक्सर ही आ जाता है कि उनके समय जो अनुशासन रहा वह फिर दोबारा किसी और प्राचार्य के कार्यकाल में देखने को नहीं मिला। कई प्राचार्यो ने प्रयास किया लेकिन उस मुकाम तक पहुंच नहीं पाए अब मौजूदा समय में कुछ ही महीने पूर्व आयोग से नियुक्त प्रोफेसर आलोक कुमार सिंह ने कालेज परिसर में अनुशासन कायम करने में जुटे हैं ।. वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की परीक्षा के दौरान आंतरिक फ्लाइंग स्क्वाड के साथ प्राचार्य प्रो0 आलोक सिंह ने साइंस बिल्डिंग, न्यू केमिस्ट्री बिल्डिंग और आर्ट्स बिल्डिंग के पचास से अधिक कक्षाओं परीक्षा के दौरान आंतरिक उड़न दस्ते के साथ परीक्षार्थियों की तलाशी ली और उनकी हथेली तक चेक की गई कि इसपर किसी ने कुछ लिखा तो नही है इस दौरान जो परीक्षार्थी कॉलेज ड्रेस कोड में नहीं थे उन्हें कड़ी चेतावनी दी गई वही उन्हें निर्देश भी दिया गया कि किसी भी दशा में अपने साथ मोबाइल या कोई इलेक्ट्रॉनिक गैजेट नहीं लाएंगे साथ ही साथ पेन, प्रवेश पत्र ट्रांसपेरेंट पाउच में ही लाएंगे अन्यथा उन्हें परीक्षा कक्ष में नहीं बैठने दिया जाएगा। यही नहीं कॉलेज में अराजक तत्वों का प्रवेश पूरी तरह से रोकने के लिए प्राइवेट गनमैन को भी लगाया गया है जो दिन रात परिसर के भीतर सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैद है ।तलाशी अभियान के दौरान डॉ विजय कुमार सिंह डॉ अरुण कुमार चतुर्वेदी डॉ रीता सिंह डॉ आभा सिंह डॉक्टर छाया सिंह डॉ हिमांशु सिंह डॉक्टर शैलेंद्र सिंह डॉक्टर शैलेंद्र सिंह व डॉक्टर जितेश सिंह मौजूद रहे।

अभिभावक संघ ने अभिभावकों की समस्या संबंधी बैठक की

हरदोई। निजी स्कूलों द्वारा मनमानी फीस वृद्धि , निजी प्रकाशकों की पुस्तकें खरीदने की बाध्यता को लेकर आक्रोशित अभिभावकों ने बैठक कर जिला प्रशासन से हस्तक्षेप व कार्यवाही की माँग की। शहर के शहीद उद्यान में अभिभावक संघ की बैठक में चर्चा की गई कि कोरोना आपदा में फीस न जमा कर पाने की वजह से ड्राप आउट हुए बच्चों का विद्यालयों में पुनः प्रवेश किया जाए। विद्यालयों में मनमानी फीसवृद्धि वापस ली जाए।सभी विद्यालयों में एनसीईआरटी की पुस्तकें ही चलाई जाएं और प्राइवेट पब्लिकेशन की पुस्तको को खरीदने की बाध्यता समाप्त की जाए। स्कूल बसों की फीस में मनमानी वृद्धि वापस ली जाए। प्रत्येक विद्यालय में अभिभावक शिक्षक समिति का गठन पारदर्शी तरीके से होना चाहिए। बैठक में अभिभावक संघ के संरक्षक राकेश पांडे, शिव प्रकाश त्रिवेदी, आमिर किरमानी,अध्यक्ष गोपाल द्विवेदी, सचिव दानिश किरमानी कोर कमेटी मेम्बर अभिषेक गुप्ता, नवल किशोर व अभिभावक विनीत श्रीवास्तव,श्यामजी गुप्ता, पंकज अवस्थी,सत्येंद्र श्रीवास्तव, कलेक्टर सिंह,आशीष दीक्षित,संजीव अवस्थी, विकास ठाकुर,परिषा तिवारी,दीपक कपूर, अमित कुमार गुप्ता, सरोज कुमार शर्मा, सुधांशु शुक्ला,अखिलेश सिंह,राजीव शुक्ला, नितिन कुमार,रजनीकांत, मनोज कुमार शर्मा आदि उपस्थित रहे।

पांच बच्चों की माँ को दिया तीन तलाक,मुकदमा दर्ज

कानपुर। बिल्हौर के पूरा गांव की एक महिला को उसके शौहर ने तीन तलाक दे दिया। पुलिस ने छरू दिन बाद आरोपित शौहर के खिलाफ तीन तलाक की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। पूरा गांव की पीड़िता सोनी बानो ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि उसकी शादी बीस साल पहले शिवराजपुर के हरनू गांव में सलीम खां उर्फ बबलू लाइनमैन के साथ हुई थी। इस समय उसके चार बेटियां व एक बेटा है। पीड़िता का पति आए दिन उसके साथ अभ्रद व्यवहार किया करता है। आरोप है कि 4 अप्रैल को वह अपने रिश्तेदारों के साथ घर पर थी। आरोप है कि उसी समय उसके शौहर ने रिश्तेदारों के सामने तीन तलाक दे दिया। पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। किसी तरह पीड़िता ने वहां से उत्तरीपूरा चौकी पर जाकर तहरीर दी। लेकिन चौकी प्रभारी ने कोई कार्रवाई न कर उसे टरका दिया। कड़ी मशक्कत कर छरू दिन बाद आरोपित शौहर के खिलाफ तीन तलाक की रिपोर्ट दर्ज कर आरोपित की तलाश शुरू की गई है।

हार्ट रोगी कोरोना पॉजिटिव मिला

कानपुर। स्वास्थ्य विभाग भले ही दावा कर रहा हो कि शहर से कोरोना खत्म हो गया है लेकिन कार्डियोलॉजी में आ रहे हार्ट रोगी कोरोना पॉजिटिव मिल रहे हैं। 8 अप्रैल को दो पॉजिटिव मरीज आने के बाद . सुबह भी हार्ट रोगी कोरोना पॉजिटिव मिला है। डॉक्टरों ने उसे कार्डियोलॉजी में ही आइसोलेट कर दिया है। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज की कोविड लैब से जारी 2180 सैंपलों की रिपोर्ट में एक हार्ट रोगी पॉजिटिव मिला है। हालांकि सीएमओ डॉ.नेपाल सिंह ने सर्विलांस टीम को लगातार सैम्पलिंग करने के निर्देश दिए हैं। उधार, कोविड लैब ने फिर से फतेहपुर के आए सैम्पलों को लौटा दिया है। लैब में सिर्फ कानपुर के ही सैम्पल लिए जाएंगे।

बाल सेवा योजना का लाभ मिला

जौनपुर ।अंशिका सोनकर पुत्र स्वर्गीय सुनील कुमार सोनकर, मोहल्ला सुखीपुर पोस्ट सदर, की निवासी है। परिवार में माता पूनम सोनकर, एक छोटी बहन और एक छोटा भाई है। आंशिका कक्षा दसवीं की छात्रा है, बहन कक्षा आठवीं की छात्रा है और भाई कक्षा चार में पढ़ता है। पिता की मृत्यु 16 जुलाई 2021 को ब्रेन ट्यूमर के कारण हो गई थी। पिता की मृत्यु के उपरांत परिवार की स्थिति बिगड़ने लगी जिसका प्रभाव इनके व भाई – बहन के शिक्षण कार्य पर भी पड़ने लगा। इसी दौरान समाचार पत्रों द्वारा उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य की जानकारी मिली ।इसके पश्चात इन्होंने आवेदन किया और आवेदन स्वीकृत कर लिया गया। इन्होंने बताया है कि पिछले 05 महीने से इस योजना का लाभ प्राप्त हो रहा है और इस योजना से प्राप्त धनराशि से इनके शिक्षण सामान्य तौर पर चलने लगा।

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतिनगर, मधुकरपुर, निकट हीरो होंडा एजेन्सी, सिद्धार्थनगर , 272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.– UPHIN/2012/49458
संस्थापकः– स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादकः– राजेश कुमार शर्मा
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एंव सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इन से उत्पन्न समस्त विवाद जनपद सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।
8795951917 , 9453824459
ई–न्यूज पेपरः– www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

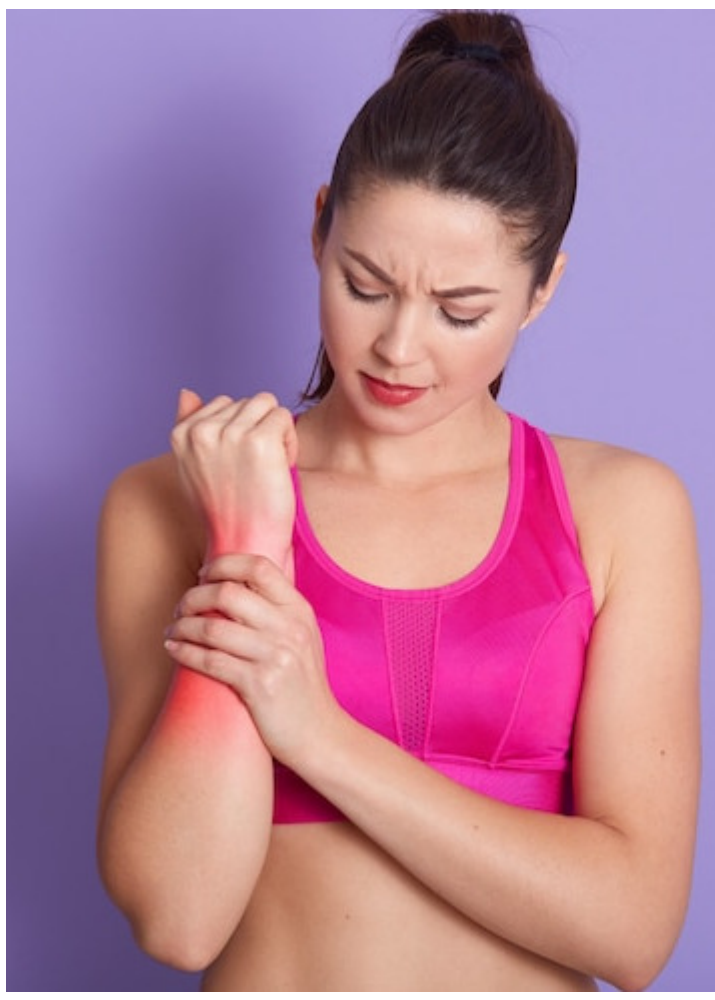

रूमेटाइड अर्थराइटिस के जोखिम कम करने में मदद कर सकती हैं ये चाय, जानिए इनकी रेसिपी

रूमेटाइड अर्थराइटिस एक ऐसी बीमारी है, जिससे ग्रस्त व्यक्ति के शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाने लगती है। वहीं, इससे शरीर के जोड़ वाले हिस्सों में सूजन और तेज दर्द शुरू हो जाता है, इसलिए समय रहते इस बीमारी का उपचार जरूरी है। आइए आज आपको कुछ ऐसी चाय की रेसिपी बताते हैं, जिनका सेवन रूमेटाइड अर्थराइटिस के जोखिमों को कम करने में काफी मदद कर सकता है।

रोजहिप टी

अगर आपको रूमेटाइड अर्थराइटिस है तो आपके लिए अपनी डाइट में रोजहिप टी यानी गुलाब के डंठल की चाय को शामिल करना लाभदायक हो सकता है। इस चाय को बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में एक से दो कप पानी उबालें, फिर इसमें गुलाब के डंठल डालकर 5–10 मिनट तक पानी को उबालें। समय पूरा होने के बाद गैस बंद करके चाय को कप में छान लें। अब इसमें शहद मिलाकर इसका सेवन करें।

नेटल टी

रूमेटाइड अर्थराइटिस के जोखिम कम करने में नेटल टी भी काफी मदद कर सकती है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में दो कप पानी उबालें, फिर उसमें दो चम्मच नेटल की पत्तियों से बना पाउडर या तीन–चार पत्तियां डालें। अब दो–तीन मिनट बाद इस स्वास्थ्यवर्धक हर्बल टी का सेवन करें। आप चाहें तो इसमें स्वादानुसार शहद मिला सकते हैं। नोटरू नेटल टी का सेवन दिन में केवल एक–दो बार ही करें, इससे ज्यादा नहीं।

ग्रीन टी

ग्रीन टी एंटी–ऑक्सीडेंट गुण के साथ–साथ कई ऐसे पोषक तत्वों से समृद्ध होती है, जो रूमेटाइड अर्थराइटिस के जोखिम कम करने में सहायक हैं। इस चाय को बनाने के लिए गैस ऑन करके उस पर एक पैन रखकर उसमें पानी को गर्म करें, फिर पानी को एक कप में डालकर उसमें ग्रीन टी बैग को डालें। एक–दो मिनट बाद इस स्वास्थ्यवर्धक हर्बल टी का सेवन करें। आप चाहें तो इसमें स्वादानुसार शहद मिला सकते हैं।

ओलोंग टीः ओलोंग टी भी एंटी–ऑक्सीडेंट गुण से युक्त होती है, इसलिए इसका सेवन भी रूमेटाइड अर्थराइटिस के प्रभाव को कम करने में कारगर हो सकता है। इस चाय को बनाने के लिए गैस ऑन करके उस पर एक पैन रखकर उसमें पानी को गर्म करें, फिर पानी को एक कप में डालकर उसमें ओलोंग टी बैग को डालें। दो–तीन मिनट बाद इस चाय का सेवन करें। आप चाहें तो इसमें स्वादानुसार शहद या फिर मेपल सिरप मिला सकते हैं।

शोभिता धूलिपाला ने मेड इन हेवन 2 की शूटिंग पूरी की

बॉलीवुड अभिनेत्री शोभिता धूलिपाला ने बहुप्रतीक्षित रोमांटिक ड्रामा सीरीज मेड इन हेवन के दूसरे सीजन की शूटिंग पूरी कर ली है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपने फॉलोअर्स के साथ इस खबर

को शेयर किया। शोभिता ने अपने इंस्टाग्राम पर एक एनिमेटेड पोस्टर साझा किया जिसमें वह अपने मेड इन हेवन के सिग्नेचर पोज में बैठी है। अभिनेत्री ने अपने दूसरे सीजन की शूटिंग के समापन की घोषणा करते हुए कैप्शन में लिखा, मेड इन हेवन के सीजन 2 की टॉपर तारा खन्ना ने शूटिंग पूरी हुई। इसे आपको दिखाने के लिए इंतजार नहीं कर सकती। शोभिता ने शो के पहले सीजन में अपने प्रदर्शन से काफी फेम पाई थी। वर्कफ्रंट की बात करें तो, अभिनेत्री के पास रॉनी स्क्रूवाला की सितारा, मणिरत्नम की मैग्नम ऑपस पोन्नियिन सेलवन (तमिल), तेलुगु फिल्म मेजर और हॉलीवुड प्रोजेक्ट मंकी मैन सहित कई प्रोजेक्ट हैं।

अयान मुखर्जी ने जारी किया ब्रह्मास्त्र का पहला लव पोस्टर, जमी रहेंगी निगाहें

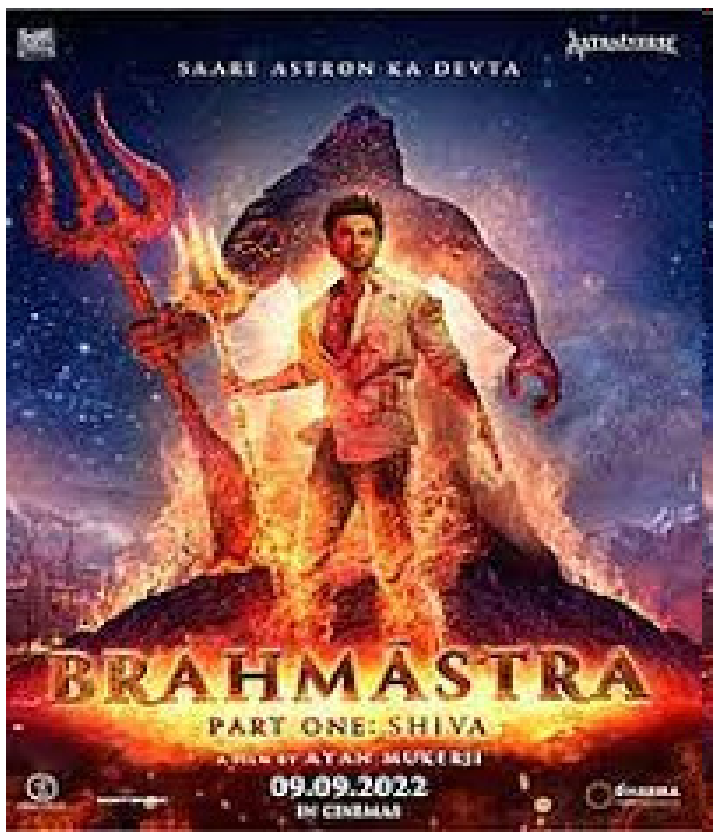

पिछले 4 सालों से एक–दूसरे के साथ रिलेशन में रह रहे आलिया भट्ट और रणबीर कपूर इन दिनों अपनी शादी को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। बताया जा रहा है कि यह कपल आगामी 16 अप्रैल को विवाह के बंध में बंधने जा रहा है। इसकी तैयारियाँ जोर–शोर से जारी हैं। शादी की खबरों के बीच दोनों की बहुप्रतीक्षित फिल्म ब्रह्मास्त्र का नया पोस्टर सामने आया है। फिल्म के नए पोस्टर में पहली बार रणबीर कपूर और आलिया भट्ट एक साथ नजर आ रहे हैं। फिल्म के नए पोस्टर में जिस तरह से यह कपल नजर आ रहा है, उसे देखकर आपकी निगाहें दोनों पर टिक जाएंगी।

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की शादी से कुछ दिन पहले अयान मुखर्जी ने ब्रह्मास्त्र का एक लव पोस्टर शेयर किया है। पोस्टर में, रणबीर और आलिया एक अंतरंग क्षण साझा करते हैं और एक–दूसरे के साथ गहराई से प्यार करते हैं। जैसा कि निर्देशक ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर ब्रह्मास्त्र का नया पोस्टर साझा किया, अयान ने यह भी उल्लेख किया कि इन दिनों हवा में कुछ अतिरिक्त प्यार है। ऐसा लगता है कि अयान ने अप्रत्यक्ष रूप से आलिया और रणबीर की शादी का संकेत दिया, जो 16 अप्रैल, 2022 को होगी।

अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने प्रशंसकों और अनुयायियों के साथ पोस्टर साझा करते हुए, अयान मुखर्जी ने पोस्ट को कैप्शन दिया, लव इज द लाइट! भाग एकरू शिव वह है जिसे अब ब्रह्मास्त्र का पहला अध्याय कहा जाता है। लेकिन सबसे लंबे समय तक, इसका उपयोग किया जाता है भाग एक होनारू प्रेम। क्योंकि इसके मूल में, ब्रह्मास्त्र प्रेम की ऊर्जा के बारे में है। एक प्रेम – जो आग की तरह फैलता है, फिल्म से परे, और जीवन में। तो यह है, हमारा प्रेम पोस्टर! समय सही लगता है यह इन दिनों हवा में कुछ अतिरिक्त प्यार है!) (और इसके साथ, केसरिया, प्रीतम (दादा), अमिताभ भट्टाचार्य, अरिजीत) शिव और ईशा के जादू का एक छोटा सा टुकड़ा। रणबीर और आलिया। प्यार – महानतम एस्ट्रा!

आलिया भट्ट ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म ब्रह्मास्त्र का नया पोस्टर शेयर किया है। इसमें आप देख सकते है कि रणबीर कपूर और आलिया भट्ट एक दूसरे में डूबे नजर आ रहे हैं। वहीं, बैकग्राउंड में गाना बज रहा है। आलिया भट्ट ने पोस्टर शेयर के साथ लिखा है, लव एंड लाइट। फिल्म के इस पोस्टर को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं और कमेंट भी कर रहे हैं।

गौरतलब है कि ब्रह्मास्त्र में रणबीर कपूर के किरदार का नाम शिवा है और आलिया भट्ट के किरदार का नाम ईशा है। फिल्म में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के अलावा अमिताभ बच्चन, मौनी रॉय, नागार्जुन अक्किनेनी और डिंपल कपाडिया अहम् रोल में हैं। फिल्म में शाहरुख खान कैमियो रोल में नजर आएंगे। अयान मुखर्जी के निर्देशन में बन रही ये फिल्म 9 सितंबर, 2022 को रिलीज होगी। इस फिल्म में पहला मौका होगा जब ये कपल स्क्रीन स्पेस शेयर करेगा।

ऐश्वर्या राजेश ने जारी किया जय–स्टारर कुट्तरम कुट्तरमे का ट्रेलर

अभिनेत्री ऐश्वर्या राजेश ने निर्देशक सुसेनथिरन की आने वाली एक्शन थ्रिलर कुट्तरम कुट्तरमे का ट्रेलर जारी किया, जिसमें अभिनेता जय, भारतीराजा और हरीश उत्थमन मुख्य भूमिका में हैं। ट्रेलर जारी करते हुए, ऐश्वर्या ने ट्वीट किया, कुट्तरम कुट्तरमे के ट्रेलर को जारी करते हुए खुशी हो रही है। ट्रेलर शानदार है, 14 अप्रैल को सुबह 10रू30 बजे कलैगनार टीवी पर फिल्म का प्रीमियर देखने के लिए उत्सुक हूं। टेलीविजन पर सीधे रिलीज होने वाली इस फिल्म में दिव्या दुरईसामी, स्मृति वेंकट और अरुल दोस भी शामिल हैं। ए के वी दुरई द्वारा निर्मित, फिल्म में अजेश का संगीत और वेलराज द्वारा सिनेमैटोग्राफर हैं। फिल्म के संवाद बस्कर शक्ति द्वारा लिखे गए हैं और कला निर्देशन सेकर बो द्वारा किया गया है।

अपने हेयर केयर रूटीन में शामिल करें केला, मिलेंगे अनगिनत फायदे

अमूमन लोग बालों की समस्याओं का कारण केमिकल्स युक्त हेयर प्रोडक्ट्स को मानते हैं, लेकिन इनकी वजह बालों को पर्याप्त पोषण न मिलना भी हो सकता है। खैर, वजह चाहें जो भी हो आप चाहें तो बालों की समस्याओं से राहत पाने और हेयर केयर प्रोडक्ट्स के विकल्प के तौर पर केले का इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि आप किन–किन तरीकों से केले को अपने हेयर केयर रूटीन का हिस्सा बना सकते हैं।

बतौर कंडीशनर करें इस्तेमाल

आप केले का इस्तेमाल कंडीशनर के तौर पर कर सकते हैं। इसके लिए पहले एक कटोरे में एक केले को मैश करें, फिर इसमें एक बड़ी चम्मच शहद और दो बड़ी चम्मच जैतून का तेल मिलाएं। अब इस मिश्रण को सिर पर लगाएं और शॉवर कैप पहन लें, फिर इसके आधे घंटे बाद सिर को गुनगुने पानी से धो लें। इसके बाद जब यह मिश्रण बालों से पूरी तरह निकल जाए तो उसको माइल्ड शैंपू से धो लें।

चमकदार और मुलायम बाल पाने के लिए केले से करें हेयर स्पा

इसके लिए सबसे पहले एक पके केले को ब्लेंड कर लें, फिर केले के पेस्ट को एक कटोरी में दो बड़ी चम्मच जैतून के तेल के साथ मिलाएं। इसके बाद बालों को भाप देने के लिए एक बड़े से बर्तन में पानी गर्म कर लें और तौलिया ढककर 10 मिनट तक भाप लें, फिर केले और जैतून का मिश्रण अपने सिर पर लगाएं। 30 मिनट के बाद अपने सिर को माइल्ड शैंपू और ठंडे पानी से धो लें।

दोमुंहे बालों से राहत पाने के लिए केले का हेयर मास्क बनाएं

अमूमन लोग दोमुंहे बालों से राहत पाने के लिए हेयरकट करवा लेते हैं, लेकिन आप चाहें तो केले के हेयर मास्क से भी इस समस्या से राहत पा सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में एक मैश केला, तीन–चार चम्मच दही, दो चम्मच मुल्तानी मिट्टी का पाउडर और इतना पानी मिलाएं कि इसका पेस्ट बन जाएं। अब इस पेस्ट को अपने बालों में लगाएं और 30 मिनट के बाद सिर को माइल्ड शैंपू से साफ कर लें।

बालों को पोषित कर सकता है यह हेयर मास्क

पर्याप्त पोषण न मिलने के कारण बाल खराब होने लगते हैं, इसलिए इन्हें पोषित करना महत्वपूर्ण है और केला आपकी इसमें भी मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में पके पपीते का एक चौथाई भाग (पिसा हुआ), एक पका केला और दो चम्मच शहद मिलाएं, फिर इस मिश्रण को सिर पर लगाएं और 15–20 मिनट के लिए सिर को शावर कैप से ढकें। इसके बाद सिर को पहले गुनगुने पानी से धोएं, फिर शैंपू से धोएं।